कार्तिक कृष्ण पक्ष -11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 119 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
05 नवंबर 2026 गुरुवार

आज का मौसम
30.5 अधिकतम
13.5 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो


Page-7

एएफपीआई के सपनों को चकनाचूर कर डाला ट्रंप ने!

एक शेर है दाग देहलवी का...
'न जाना कि दुनिया से जाता है कोई,
बहुत देर की मेहरबां आते-आते'

डोनाल्ड ट्रंप



प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक स्थिति पर यह शेर सटीक बैठता है। अमेरिका को फिर से महान बनाने और रिपब्लिकन पार्टी को अपने राष्ट्रवादी एजेंडे के अनुरूप ढालने का उनका सपना अब अपने ही अंतर्विरोधों में उलझ गया है। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की निर्णायक जीत ने ट्रम्प की राजनीतिक ताकत को बड़ा झटका दिया है।

ट्रंप की वापसी की पटकथा तैयार करने में 2021 में स्थापित अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एएफपीआई) की अहम भूमिका रही थी। यह संगठन अमेरिका फर्स्ट की विचारधारा को नीतियों में बदलने और ट्रम्प प्रशासन के लिए वैकल्पिक नीतिगत खाका तैयार करने के उद्देश्य से सामने आया था। इसके एजेंडे में अमेरिकी राष्ट्रवाद, आव्रजन नियंत्रण, पारंपरिक मूल्यों और आर्थिक संरक्षणवाद को प्रमुखता दी गई। ट्रम्प की दूसरी पारी में इसी सोच को सरकारी नीतियों का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा इसी राजनीतिक परियोजना का सबसे प्रभावशाली चेहरा बन गया। लेकिन ट्रंप की सबसे बड़ी समस्या यह रही कि उन्होंने अमेरिका फर्स्ट के नारे को कई मौकों पर अपने कारोबारी हितों और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से अलग नहीं रखा। उनके परिवार के कारोबारी हितों, दामाद जेरेड कुशनर की अंतरराष्ट्रीय कारोबारी गतिविधियों और बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की व्यावसायिक सक्रियता ने उनके राजनीतिक विरोधियों को सवाल उठाने का अवसर दिया। एलन मस्क जैसे कारोबारी समर्थकों की भूमिका ने भी इस गठजोड़ को नई ताकत दी, लेकिन बाद में उनके और ट्रंप के बीच मतभेद भी सामने आए।

ट्रंप ने सत्ता में लौटते ही दुनिया के देशों को टैरिफ की धमकी देकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को संरक्षण देने का रास्ता चुना। कनाडा, मेक्सिको, चीन और भारत तक को उनकी व्यापारिक आक्रामकता का सामना करना पड़ा। उनका दावा था कि इससे अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को फायदा होगा। लेकिन टैरिफ का बोझ अंततः अमेरिकी उपभोक्ताओं पर भी पड़ा। महंगाई और जीवनयापन की बढ़ती लागत ने अमेरिकी मतदाताओं की नाराजगी बढ़ाई। यूक्रेन युद्ध को लेकर भी ट्रम्प की नीति विरोधाभासों से भरी रही। कभी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से समझौते की उम्मीद, तो कभी यूक्रेन पर दबाव और यूरोपीय सहयोगियों से अधिक आर्थिक जिम्मेदारी उठाने की मांग। इस बीच यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा और अमेरिका से महंगी ऊर्जा खरीदने की मजबूरी ने ट्रम्प की नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ाया।

ट्रम्प के कारोबारी मित्र एलन मस्क की स्टारलिंक के लिए भी भारत का बाजार आसान साबित नहीं हुआ। भारत ने सुरक्षा और नियामकीय शर्तों को सर्वोपरि रखते हुए उपग्रह इंटरनेट सेवाओं के विस्तार का रास्ता तय किया। इससे यह संदेश भी गया कि भारत में कारोबारी अवसरों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता और अब अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने ट्रम्प की राजनीतिक मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों पर हुए चुनाव में डेमोक्रेट्स ने दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। यह महज चुनावी हार नहीं, बल्कि ट्रम्प की नीतियों के प्रति अमेरिकी मतदाताओं की नाराजगी का बड़ा संकेत है। अब उनके फैसलों पर कांग्रेस की निगरानी और विरोध का दबाव बढ़ेगा। प्रशासनिक नीतियों, बजट और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को लेकर भी उन्हें विपक्ष का सामना करना पड़ेगा।

दोपहर मेट्रो के कॉलम और डीएम डिजिटल के माध्यम से हमने कई बार आगाह किया था कि ट्रम्प की मनमानी और तुगलकी कार्यशैली केवल अमेरिका ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। लेकिन सत्ता के अहंकार में डूबे ट्रम्प और उनकी टीम को शायद यह अंदाजा नहीं था कि लोकतंत्र में मतदाता अंततः अपना फैसला सुनाता है। एएफपीआई के जिस अमेरिका फर्स्ट के सपने को लेकर ट्रम्प सत्ता में लौटे थे, उसी सपने को उनकी नीतियों ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। अब अगले दो साल उनके लिए मनमानी करने के नहीं, बल्कि अपने फैसलों का हिसाब देने के होंगे।

किसी ने ठीक ही कहा है-
कटेगी ये जिंदगी रोते-रोते,
ये कह कर गई है खुशी रोते-रोते'

ईरान पर उलझी अमेरिका की रणनीति

सबसे बड़ा राजनीतिक दांव उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध के रूप में खेला। इजराइल की सुरक्षा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के नाम पर शुरू हुआ सैन्य संघर्ष पूरे मध्यपूर्व को अपनी चपेट में ले गया। ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी हितों को निशाना बनाकर जवाब दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य में पैदा हुए संकट ने दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित किया। तेल और गैस की कीमतों में उछाल का असर अमेरिका सहित अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा। ट्रंप शायद यह मानकर चल रहे थे कि वेनेजुएला की तरह ईरान पर भी दबाव बनाकर वहां अपनी शर्तें मनवा लेंगे। लेकिन ईरान कोई आसान चुनौती नहीं था। उसकी सैन्य क्षमता, भौगोलिक स्थिति और क्षेत्रीय प्रभाव ने अमेरिकी रणनीति को उलझा दिया। अमेरिका और इजराइल के हमलों के बावजूद ईरान की राजनीतिक और सैन्य प्रतिरोध क्षमता खत्म नहीं हुई। चीन और रूस के साथ उसके संबंधों ने भी इस संघर्ष को व्यापक भू-राजनीतिक आयाम दिया। ट्रम्प के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि सैन्य शक्ति के बावजूद वे अपनी राजनीतिक शर्तों के अनुरूप निर्णायक समाधान हासिल नहीं कर सके। इस पूरे घटनाक्रम में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। रूस से कच्चे तेल की खरीद, ऊर्जा आपूर्ति के विविधीकरण और पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के प्रयासों से भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह किसी एक महाशक्ति की विदेश नीति का अनुयायी नहीं है। अमेरिका के साथ संबंधों के बावजूद भारत ने अपने फैसले स्वतंत्र रूप से लेने की नीति जारी रखी।

न्यूज विंडो

बीटीआर में बाघ के हमले से चरवाहे की मौत, गंभीर चोट के निशान

उमरिया। प्रदेश के उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघ के हमले से एक चरवाहे की मौत हो गई। मवेशी चराने जंगल गए चरवाहे का शव देर रात मिला। उसके पैर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रारंभिक तौर पर बाघ के हमले में मौत होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, जमुनिया निवासी राजेन्द्र यादव बुधवार को रोजाना की तरह अपने मवेशियों को चराने जंगल गए थे। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद उन्होंने जंगल में उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान राजेन्द्र का शव जंगल में मिला। उनके पैर में गंभीर चोट थी और वह दो हिस्सों में बुरी तरह क्षतिग्रस्त था।

राजस्थान.. नागौर में बारूद बनाते समय ब्लास्ट, 2 जिंदा जले

नागौर। राजस्थान के नागौर में बारूद के गोदाम में आज सुबह ब्लास्ट हो गया। बड़ली क्षेत्र में हुए हादसे में 2 युवक मुजिद सौरगर और मोहम्मद आमिर सौरगर जिंदा जल गए। गोदाम में और भी मजदूरों के होने की आशंका है।



धमाका इतना जोरदार था कि आवाज आधा किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। करीब 100 फीट के दायरे में आने वाले घरों व गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है।इस गोदाम में पोटेशियम नाइट्रेट को मिक्स कर बारूद बनाया जाता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोदाम मालिक का नाम अमीन है।

बीओबी को 19.30 करोड़ का चूना सीबीआई ने दर्ज किया मामला

रांची। कोलकाता स्थित सीबीआई की आर्थिक अपराध शाखा (ईओबी) में मेसर्स नटराज राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के रांची निवासी दो पूर्व निदेशकों सहित नौ नामजद आरोपित, अन्य अज्ञात लोक सेवक व अन्य के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपितों पर बैंक आफ इंडिया को 19 करोड़ 30 लाख रुपये का चूना लगाने का आरोप है। यह प्राथमिकी बैंक आफ इंडिया के रांची अंचल कार्यालय के रिकवरी विभाग के उप अंचल प्रबंधक असीम कुमार की लिखित शिकायत पर दर्ज की गई है।

आज का कार्टून



प्रदेश में एक लाख से ज्यादा सफाईकर्मी हड़ताल पर

घरों में दीवाली की सफाई... बाजार और सड़कों पर लगा कचरे का अंबार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दिवाली से पहले जहां घरों में लोग साफ़ - सफाई में लगे हैं वहीँ मध्य प्रदेश के एक लाख से भी ज्यादा सफाईकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इसका असर शहरों की सड़कों पर दिखाई दे रहा है। भोपाल में दो दिन से कचरा नहीं उठने के कारण सड़कें, बाजार और गली-मोहल्ले गंदगी से भर गए हैं। कई जगह डस्टबिन से कचरा बाहर फैल रहा है। सफाईकर्मी सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, पति या पत्नी की मुत्यु पर अनुकंपा नियुक्ति और न्यूनतम वेतन 25 हजार रुपए तय करने की मांग कर रहे हैं। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन के अनुसार, पूरे प्रदेश के 16 नगर निगमों और 374 नगर परिषदों के करीब एक लाख कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हैं।

- भोपाल में एक हजार कचरा गाड़ियों के पहिये जाम
- कचरा जलाए जाने से जहरीली हो रही है हवा



भोपाल में हड़ताल के कारण आज तीसरे दिन भी कचरा कलेक्शन नहीं हुआ। घरों और बाजारों में कचरा जमा होने से लोग और व्यापारी इसे जलाकर खत्म कर रहे हैं। कोलार, होशंगाबाद रोड सहित पुराने शहर के कई इलाकों में ऐसी हालत के कारण धुंए और प्रदूषण से लोग परेशान हैं । शहर के कई बाजारों में भी कचरा जलाया जा रहा है। लिंक रोड नंबर-1 पर पेट्रोल पंप के सामने डस्टबिन से कचरा बाहर निकलकर सड़क पर फैल गया है। शिवाजी नगर में भी यही स्थिति है। नंबर एमपी नगर एसडीएम ऑफिस के सामने और चौराहे पर कचरे के ढेर लगे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आज तीसरे दिन भी कचरा कलेक्शन गाड़ियां नहीं पहुंची हैं।

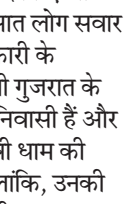
भोपाल नगर निगम के करीब 14 हजार कर्मचारियों में से आठ हजार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हड़ताल पर हैं । इससे सभी 85 वार्डों की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। निगम के 800 से अधिक कचरा वाहन खड़े कर दिए गए हैं । सामान्य दिनों में भोपाल से करीब 850 मीट्रिक टन कचरा निकलता है। दीपावली के दौरान इसकी मात्रा बढ़कर लगभग एक हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन तक पहुंच जाती है। ऐसे समय में सफाईकर्मियों की हड़ताल से नगर निगम के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। हड़ताल के कारण राजगढ़ जिले के सभी 14 नगरीय निकायों में सफाईकर्मी काम पर नहीं पहुंचे। विदिशा नगर पालिका में भी कर्मचारियों की हड़ताल के कारण जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए। नर्मदापुरम, रायसेन जिले के गैरतगंज और अशोक नगर जिले के शाढौरा नगर परिषद में भी सफाई व्यवस्था प्रभावित रही।

अपर मुख्य सचिव के साथ वार्ता बेनतीजा

हड़ताल समाप्त कराने के लिए बुधवार शाम नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे और नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने कर्मचारी नेताओं के साथ करीब दो घंटे चर्चा की। हालांकि, वार्ता में कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। मंगलवार को प्रदर्शन और चक्काजाम के बाद बुधवार को अधिकारियों से चर्चा हुई, लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी।

ट्रम्प ने माना- मिडटर्म में हार की वजह ईरान जंग बोले- फिर हमला करूंगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने माना है कि ईरान के साथ जंग के कारण मिडटर्म चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ।



हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यही एक रास्ता था। ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान जंग की वजह से कुछ समय के लिए पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई थीं। लेकिन अगर मुझे दोबारा फैसला लेने का मौका मिले, तो मैं फिर यही करूंगा।

गंगोत्री धाम दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार नदी में गिरी, पांच की मौत

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सुबह गंगनानी के पास एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर भागीरथी नदी में जा गिरी। जिसमें अब तक 5 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। वाहन में सात लोग सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी यात्री गुजरात के साबरमती क्षेत्र के निवासी हैं और उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम की ओर जा रहे थे। हालांकि, उनकी पहचान और पते की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। हादसे के बाद लापता लोगों की तलाश के लिए जल पुलिस और गोताखोर नदी के तेज बहाव में सर्च अभियान चला रहे हैं।

उत्तराखंड के चारधाम में तापमान माइनस 8 डिग्री पहुंचा



देहरादून/नई दिल्ली। उत्तराखंड के चारों धामों में आज सुबह तापमान माइनस में दर्ज किया गया। केदारनाथ में न्यूनतम तापमान -8, बद्रीनाथ में -9, गंगोत्री में -13 और यमुनोत्री में -6डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। वहीं, केदारनाथ में चार दिन पहले हुई बर्फबारी के बाद अब तक बर्फ नहीं पिघली है। मौसम विभाग ने 5 नवंबर से दक्षिण, मध्य और पूर्वी भारत के 6 राज्यों में बारिश का अनुमान जताया है। इनमें तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। आज तमिलनाडु के तूतीकोरिन में भी भारी बारिश हो रही है। वहीं दिल्ली में आज सुबह हवा बेहद खराब रही। सुबह 8:01 बजे राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 482 दर्ज किया गया। कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के 7 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर AQI 400 से ऊपर दर्ज किया गया।

6 दिन में 5500 अंक चढ़ा सेंसेक्स ट्रंप की हार से भी बाजार में बहार...

दिवाली से पहले निवेशकों में उत्साह

मुंबई , एजेंसी

शेयर बाजार में तेजी का आज लगातार छठवां दिन है। धनतेरस से एक दिन पहले आज सेंसेक्स 1500 अंक यानी 1.90 फीसदी चढ़कर 78,800 पर पहुंच गया। इसे तेजी से निवेशकों में उत्साह लौटा है। निफ्टी में भी 400 अंक की तेजी है जो 24,400 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। 28 अक्टूबर से 5 नवंबर के दौरान सेंसेक्स 73,246 से उछलकर 79,000 के स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 15 अक्टूबर को बाजार 1533 अंक चढ़कर बंद हुआ था। वहीं 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था जो इस साल की सबसे बड़ी बढ़त है।



बाजार में तेजी की जो बताई जा रही हैं उनमे मुख्य अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की पार्टी दोनों सदनों में हार है इससे ईरान जंग रुकने की उम्मीद बढ़ी है। जंग थमने पर कारोबार आसान होगा। इसलिए लोग बाजार में लौटे। नतीजों के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में भी अच्छी तेजी रही। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है । ब्रेंट क्रूड टूटकर 94 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीए क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के दो महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है इसलिए भारत जैसी इकोनॉमी के लिए कच्चा तेल सस्ता होना सकारात्मक संकेत हैं। सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों से भी बाजार का सेंटिमेंट सुधरा है। रिलायंस, इंफोसिस और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। जब भी डॉलर सस्ता होता है, तो विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों में जमकर पैसा लगाते हैं। इससे सेंसेक्स-निफ्टी तेजी से ऊपर चढ़ रहे हैं।

दिल्ली... 3 मंजिला बिल्डिंग गिरी 2 शव मिले, मलबे में कई दबे



नई दिल्ली। यहां चांदनी चौक इलाके में आज सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। अब तक दो लोगों के शव मलबे से निकाले गए हैं। कई और लोगों की मौत की आशंका है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, कम से कम 15 लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दिल्ली पुलिस और अन्य टीमें रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं।



धनतेरस के लिए तैयार शहर, बाजार गुलजार

भोपाल। धनतेरस को लेकर राजधानी के बाजार रोशन हो उठे हैं। प्रमुख मार्केट, ऑटो शोरूम, सराफा और रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स पर ग्राहकों की चहल-पहल से माहौल उत्सवी हो गया है। कल धनतेरस पर भोपाल में करीब 1000 करोड़ के कारोबार की उम्मीद जताई जा रही है। खासकर बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना-चांदी और ऑटो सेक्टर में भारी खरीदारी हो रही है। ऑटोमोबाइल बाजार को जहां 20% की वृद्धि की उम्मीद है। वहीं,सराफा बाजार भी सोने-चांदी से खनक रहा है।



न्यूज विंडो

मैजिक ने कार को टक्कर मारी विरोध करने पर डॉक्टर से छेड़छाड़

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित डिपो चौराहे पर स्कूल मैजिक चालक ने पहले लेडी डॉक्टर की कार में टक्कर मार दी। डॉक्टर ने उसे रोककर ठीक से वाहन चलाने की नसीहत दी तो आरोपी ने हाथ पकड़ लिया। आसपास के लोगों को आगे आता देख आरोपी वाहन लेकर फरार हो गया। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने मैजिक चालक पर छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। 45 वर्षीय डॉक्टर रिवेरा टाउन में रहती हैं। उन्होंने शिकायत में बताया, वे शाम को कार से स्मार्ट सिटी रोड होते हुए घर जा रही थीं। डिपो चौराहे पर मेट्रो के बड़े पिलर के पास पीछे से आ रही स्कूल मैजिक के चालक ने टक्कर मारी।

मैनिट में शिकायत निवारण के लिए समितियों का किया गठन

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई है। संस्थान ने शिकायतों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया तय की है। इसमें संबंधित अफसरों से लेकर निदेशक स्तर तक जिम्मेदारी तय की गई है। शैक्षणिक, छात्रावास और अनुशासन संबंधी मामलों के लिए छात्र शिकायत निवारण समिति बनाई गई है। डीन अकादमिक इसके अध्यक्ष होंगे, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डीन प्लानिंग, मुख्य वार्डन और एचओडी सदस्य रहेंगे।



दुकानदार पर अड़ीबाजी करने और मारपीट का वीडियो वायरल

भोपाल। कोतवाली थाना क्षेत्र में मोजे की दुकान लगाने वाले युवक के साथ अड़ीबाजी करते उसे जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता से मारपीट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित कन्हैया गुप्ता ने बताया कि उसकी दुकान दयानंद चौक स्थित अग्रवाल भवन के पास है। 2 नवंबर को जेपी राठौर उनकी दुकान पर पहुंचा और उससे 10 हजार रुपए के लिए अड़ीबाजी करने लगा। आरोपी पूर्व में भी उन्हें इस तरह की धमकियां दे चुका है। पीड़ित ने बताया कि जेपी राठौर जुआ-सट्टा गतिविधियों में शामिल रहता है और उस पर कई मामले दर्ज हैं। आरोपी के साथ पूर्व में मारपीट की घटनाओं के वीडियो वायरल होने का भी जिक्र किया है।

मिसरोद में दो बदमाशों ने छात्र को घेरा, लूट ले गए आईफोन

भोपाल। राजधानी में मोबाइल लुटेरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। सरेराह राहगीरों को निशाना बनाकर मोबाइल छीनने वाले बदमाश पुलिस के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। मिसरोद इलाके में सोमवार रात बाइक सवार दो बदमाशों ने एक छात्र को निशाना बनाते हुए उसके हाथ से आईफोन लूट लिया और फरार हो गए। इसी तरह की वारदात शाहपुरा इलाके में भी सामने आ चुकी है, जहां वरिष्ठ पत्रकार संदीप सिंह का मोबाइल लूटा गया था। चार दिन बीतने के बावजूद उस मामले में भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस के मुताबिक इंडस टाउन निवासी 25 वर्षीय ऋषभ तिवारी रात में खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था। तभी बदमाशों ने वारदात की। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का दावा है, जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे।

बुकिंग के हफ्तेभर बाद भी गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी न होने से लोग परेशान

एलजीपी कनेक्शन 9 माह से बंद पुराने भी नहीं कर रहे ट्रांसफर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली की तैयारियों के बीच लोगों को गैस सिलेंडरों के लिए एजेंसियों की दौड़ लगानी पड़ रही है। अलग-अलग गैस एजेंसियों पर लोग कनेक्शन के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन नए कनेक्शन नहीं दिए जा रहे। ऐसे में लोगों को त्योहार के लिए सिलेंडरों के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अ्लम यह है कि कनेक्शन ट्रांसफर तक नहीं हो रहे। किसी का कनेक्शन माता-पिता के नाम था। उनके निधन के बाद कनेक्शन परिवार को ट्रांसफर नहीं की जा रही। रही-सही कसर गैस सिलेंडर की बुकिंग के दौरान डिलीवरी में देरी पूरी कर रही है। बुकिंग के हफ्ते भर तक लोगों को सिलेंडर की बुकिंग तक नहीं मिल पा रही। नतीजा, एजेंसियों व गोदामों पर सिलेंडर लेकर जाने वाले लोगों की लाइन तक लगी रही है।

जेके रोड मिनल रेजिडेंसी की गैस एजेंसी सहित अन्य गैस एजेंसियों पर सिलेंडर लेने के लिए अधिक संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। सिलेंडर न मिलने से लोग परेशान हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी जिला खाद्य प्रशासन संबंधित एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं चल रहा है। यही हाल शाहपुरा में भारत और एचपी पेट्रोलियम कंपनियों की एजेंसियों का भी है।



अमेरिका-ईरान युद्ध से शुरू किल्लत जारी

अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते मार्च से एलजीपी सिलेंडरों की किल्लत शुरू हुई थी। इसे देखते हुए पेट्रोलियम कंपनियों ने नए कनेक्शन देने पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी थी। यह अब तक जारी है। अक्टूबर तक नए कनेक्शन के लिए 20 हजार से ज्यादा आवेदन लंबित थे। अब ऐसे ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। खासकर उन लोगों के लिए समस्या खड़ी हो गई है जो दूसरे शहरों से आए या कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं।

46 एजेंसियां फिर भी 9 माह से ऐसी हालत

- 5 लाख एलजीपी उपभोक्ता शहर में हैं।
- 50 हजार कमर्शियल सिलेंडर कनेक्शन।
- 4.5 लाख उपभोक्ता घरेलू गैस सिलेंडरों के हैं।
- 46 गैस एजेंसियां भोपाल जिले में हैं।
- 14 हजार सिलेंडर एक दिन में बुक होते हैं।
- मार्च से नए कनेक्शन मिल नहीं रहे। लगातार एजेंसियों पर बढ़ती जा रही है पेंडेंसी।

छोटू सिलेंडर के कनेक्शन दिए, पर यह विकल्प नहीं

14.2 किलो गैस के वजन वाले सिलेंडरों के नए कनेक्शन नहीं होने से कंपनियों ने विकल्प के रूप में 5 और 10 किलो वजन वाले सिलेंडरों के कनेक्शन देने शुरू किए थे, लेकिन एजेंसियों पर इन सिलेंडरों के कनेक्शन लेने के गिनी-चुनी ही आवेदन ही आ रहे हैं। दरअसल इन सिलेंडरों के कनेक्शन लेने के 6 हजार रुपए तक देने पड़ रहे हैं। जबकि रीफिलिंग भी महंगी पड़ रही है। वहीं, 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर का कनेक्शन 3 हजार रुपए तक होता था।

बुकिंग पर सिलेंडर मिल रहे हैं

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि कंपनियों की ओर से एजेंसियों को कोई आदेश नहीं मिला कि गैस के नए कनेक्शन दिए जाएं। वहीं, दीपावली पर गैस सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था में कोई दिक्कत नहीं आ रही है। बुक करने पर समय पर सिलेंडर मिल रहे हैं। शिकायत मिलने पर एजेंसियों को निर्देशित कर होम डिलीवरी कराई जाती है। भोपाल गैस डीलर्स एसोसिएशन अध्यक्ष आरके गुप्ता का कहना है कि एजेंसियों को अभी नया रसोई गैस सिलेंडर देने की अनुमति कंपनियों से नहीं मिली है।

पुलिस को आरोपी वरुण ने सुनाई हत्या की नई कहानी

पैर दबाते समय रिटायर्ड IAS ने कहा था-तुम्हारे हाथ महिलाओं जैसे..गुस्सा आया..हत्या कर दी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

'तुम्हारे हाथ तो महिलाओं जैसे हैं...' रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल द्वारा की गई ऐसी टिप्पणियों से वरुण नाराज था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने इसी ताने को हत्या की वजह बताया। उसने बताया कि 'जब अग्रवाल के पैर दबाता, तो वे उसके हाथों को लेकर टिप्पणियां करते थे।'

वारदात की क्रूरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने पहले गला दबाया, फिर तकिया मुंह पर रखकर काफी देर तक उनके ऊपर बैठा रहा। जब वे बेसुध हो गए तो सर्जिकल ब्लेड से उनका गला काट दिया। वारदात के बाद वह ब्लेड घटना स्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस हत्या में इस्तेमाल ब्लेड बरामद करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी का स्वभाव पहले से ही गुस्सैल था और छोटी-छोटी बातों पर लोगों से मारपीट कर चुका है। उसके गुस्सैल व्यवहार के बारे में स्टाफ ने भी जानकारी दी है। करीब 35 दिन तक फरार रहने के बाद पुलिस ने वरुण को आगरा से गिरफ्तार किया था। भोपाल मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी थी, जिसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। उससे बातचीत करने या हत्या की वजह पूछने वाले कर्मचारियों को वह एक ही जवाब देता है- '19 लोग एक ही बात पूछ चुके हैं, अब थक गया हूं।' इसके बाद वह चुप्पी साध लेता है। पुलिस का कहना है कि आज उसे अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। इसके बाद आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जाएगी। घटनास्थल पर क्राइम सीन रिक्रिएशन भी कराएगी।



राकेश अग्रवाल



आरोपी वरुण

बेशर्मी से बोला आरोपी- जब अपना कोई नहीं तो डर किस बात का

पूछताछ के दौरान वरुण ने अपने पारिवारिक जीवन का भी जिक्र किया। उसने बताया कि पत्नी उसे छोड़ चुकी है और पिता ने तीसरी शादी कर ली है। परिवार से दूरी का हवाला देते हुए उसने कहा कि जब अपना कोई नहीं बचा तो डर किस बात का। पुलिस के अनुसार आरोपी वरुण कुमार जेल जाने या सजा मिलने को लेकर भी बेफिक्र नजर आया।

बागसेवनिया पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच शुरू

48 हजार रुपए किराया देकर कार ले गया, वापस मांगी तो बहानेबाजी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र में एक युवक ने एक माह के लिए हुंडई वरना कार किराए पर ली और एक माह का 48 हजार रुपए किराया देने के बाद कार लेकर गायब हो गया। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रोहित सिंह राजावत (21) निवासी बागमगुलिया एक्सटेंशन, कटारा हिल्स एलएनसीटी कॉलेज में थर्ड ईयर का छात्र है। उसके दोस्त प्रांजल के मौसाजी रामधन पवार के नाम पर रजिस्टर्ड कार उसके पास थी। कार मालिक ने उसे जरूरत पड़ने पर किराए पर देने की अनुमति दी थी। फरियादी के अनुसार अगस्त में आजम मो. खान उनके पास सौरभ तिवारी का नाम लेकर आया। उसने एक माह के लिए कार किराए पर ली। इस दौरान उसने रोहित को आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस की फोटोकॉपी भी दी। आजम ने एक माह के किराए के 48 हजार रुपए रोहित के दोस्त शुभांश मिश्रा के बैंक खाते में ट्रांसफर किए थे।

बंद कर दी जीपीएस डिवाइस

एक माह बाद कार की जरूरत पड़ने पर प्रांजल ने रोहित से कार वापस मंगवाने को कहा। रोहित ने आजम से संपर्क किया तो वह बहाने बनाने लगा। संदेह होने पर रोहित ने जीपीएस से उसकी लोकेशन पता की तो 20 दिन पहले करोंद चौराहे के पास जीपीएस बंद होना सामने आया। बादमें आजम ने फोन भी उठाना बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस से मामले की शिकायत की गई।

प्रदेशभर के शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए, ऐप में सुबह और पूरे दिन की शिफ्ट का विकल्प गायब, बढ़ी परेशानी

भोपाल। आज प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए। स्कूल शिक्षा विभाग के 'हमारे शिक्षक' ऐप में तकनीकी दिक्कत के कारण यह परेशानी आई। ऐप में सुबह की पाली और पूरे दिन की पाली का विकल्प दिखाई नहीं दे रहा था। साथ ही लॉगिन समय में अचानक बदलाव होने से सुबह और पूरे दिन की पाली में काम करने वाले शिक्षक अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाए। कई शिक्षक निर्धारित समय पर अटेंडेंस लगाने की कोशिश करते रहे, लेकिन ऐप में जरूरी विकल्प उपलब्ध नहीं थे।

शिक्षकों के अनुसार, ऐप में केवल दोपहर, ऑन ड्यूटी और रात्रि के विकल्प दिख रहे थे। सुबह और पूरे दिन की पाली में काम करने वाले शिक्षकों के लिए जरूरी विकल्प उपलब्ध नहीं थे।



तकनीकी खामियों को दूर करें

इस तकनीकी समस्या के कारण अनेक शिक्षक चाहकर भी निर्धारित समय पर अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाए। शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने स्कूल शिक्षा विभाग का ध्यान इस तकनीकी समस्या की ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू करने से पहले ऐप की तकनीकी खामियों को दूर करना जरूरी है। साथ ही सभी विद्यालयों के वास्तविक समय और कार्यप्रणाली के अनुरूप विकल्प उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

ऑफलाइन उपस्थिति मान्य करने, कार्रवाई न करने की मांग

उपेन्द्र कौशल ने मांग की कि ऐप की तकनीकी त्रुटियों के कारण जिन शिक्षकों की ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं हो पाई है, उनकी विद्यालय की उपस्थिति पंजी में दर्ज उपस्थिति को प्रमाण माना जाए। ऐसे शिक्षकों की उस दिन की ऑफलाइन उपस्थिति मान्य की जाए। उनके वेतन अथवा सेवा संबंधी किसी भी तरह की प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाए। कौशल ने कहा कि तकनीकी खामी का खामियाजा शिक्षकों को नहीं भुगतना चाहिए। ई-अटेंडेंस व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता और सुगमता होना चाहिए। तकनीकी समस्याओं के कारण शिक्षकों को अनावश्यक मानसिक परेशानी और आर्थिक नुकसान नहीं उठाना पड़े।

मेट्रो एंकर पिछले साल 14 हजार मेगावॉट थी खपत, 2023 में 16,130 मेगावॉट थी मांग

दिवाली पर 15 हजार मेगावॉट के पार पहुंच सकती है बिजली की मांग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली पर इस बार प्रदेश में बिजली की मांग 15 हजार मेगावॉट के पार पहुंचने के आसार हैं। धनतेरस से ही बिजली की खपत में तेजी आने लगेगी। पिछले साल दीपावली पर बिजली की अधिकतम मांग करीब 14 हजार मेगावॉट रही थी, जबकि वर्ष 2023 में यह 16,130 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। वर्तमान में प्रदेश में बिजली की मांग 10 से 11 हजार मेगावॉट के बीच बनी हुई है। अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में यह बढ़कर 13 हजार मेगावॉट से अधिक हो जाएगी और दीपावली पर 15 हजार मेगावॉट का आंकड़ा पार कर सकती है। इसे देखते हुए बिजली कंपनियों ने निर्बाध आपूर्ति की तैयारियां शुरू कर दी हैं।



पिछले वर्षों में इतनी खपत

साल	बिजली की खपत
2021	11371 मेगावॉट
2022	9846 मेगावाट
2023	16130 मेगावाट
2024	13325 मेगावाट
2025	14000 मेगावाट

पांच दिन तक सामान्य दिनों की तुलना में 4000 मेगावॉट ज्यादा जरूरत

प्रदेश में बारिश और उमस का दौर समाप्त होने के बाद मौसम में ठंडक घुलने लगी है। ज्यादातर शहरों में रात का तापमान 15 डिग्री और दिन का तापमान 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इससे घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बिजली की खपत फिलहाल कम है। इसके साथ ही अभी रबी फसलों की सिंचाई का दौर भी अभी शुरू नहीं हुआ है। लेकिन दीपावली पर रोशनी, सजावट और बाजारों में बढ़ती गतिविधियों के कारण बिजली की मांग में अचानक उछाल आता है। इसकी खपत अभी से शुरू हो गई है। धनतेरस से यह मांग और बढ़ेगी। जानकारों की मानें तो यह मांग दीपावली के बाद तक लगातार 4-5 दिन सामान्य दिनों की तुलना में 3-4 हजार मेगावॉट अधिक बिजली की जरूरत पड़ती है।

कंपनियों ने उत्पादन इकाइयों को दिया शत-प्रतिशत उत्पादन करने का लक्ष्य

मांग पूरी करने के लिए प्रदेश की बिजली कंपनियों ने आपूर्ति प्रबंधन की योजना तैयार की है। सभी बिजली उत्पादन कंपनियों को अपनी इकाइयों से अधिकतम उत्पादन करने का लक्ष्य दिया है। मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत और जल विद्युत गृहों के अलावा इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, सरदार सरोवर परियोजनाओं से बिजली आपूर्ति में योगदान लिया जाएगा। केंद्रीय क्षेत्र, सासन परियोजना, स्वतंत्र बिजली उत्पादकों और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से भी बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

रबी सीजन में 21 हजार मेगावॉट मांग संभव

दिसंबर और जनवरी में रबी सीजन में खेतों में सिंचाई शुरू होने के साथ बिजली की खपत तेजी से बढ़ती है। इस बार सरकार का अनुमान है कि रबी सीजन में मांग 21 हजार मेगावॉट पहुंच सकती है। इसके लिए कंपनियों को तैयारी करने के निर्देश दिए हैं।

रिमांड में लेकर हनुमानगंज पुलिस कर रही पूछताछ

दो हथियार तस्करों से चार पिस्टल देशी कट्टा और 7 कारतूस बरामद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चार पिस्तल, एक देशी कट्टा, पांच मैगजीन और सात जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर हथियारों की खरीद-फरोख्त के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के मुताबिक 3 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास एक व्यक्ति अवैध पिस्तल लेकर किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर हनुमानगंज पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो पिस्तल, दो मैगजीन और दो जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में उसकी पहचान तलैया निवासी फरमान मोहम्मद के रूप में हुई है।

रिमांड पर लेकर पूछताछ

फरमान से पूछताछ में उसके साथी ऐशबाग निवासी अतीक उर्फ बबलू के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके कब्जे से दो पिस्तल, एक देशी कट्टा, तीन मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। दोनों आरोपी अवैध हथियारों की तस्करी करते थे। पुलिस ने उन्हें रिमांड पर लिया है।

इंदौर से रोज गुजर रहे 10 से ज्यादा ट्रक, आलीराजपुर-झाबुआ के रास्ते हो रही शराब की तस्करी

महंगे शराब ठेकों की भरपाई के लिए गुजरात में खप रही मप्र की करोड़ों की शराब

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में शराब के महंगे ठेकों की लागत निकालने और टैक्स व ड्यूटी से बचने के लिए शराब तस्करी का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय होने की बात सामने आ रही है। आरोप है कि इंदौर हाईवे से रोजाना 10 से ज्यादा ट्रक शराब लेकर गुजरते हैं। इन ट्रकों के जरिए करोड़ों रुपये की शराब आलीराजपुर और झाबुआ के रास्ते गुजरात पहुंचाई जाती है। इस पूरे खेल में शराब ठेकेदारों के साथ राजनीतिक रसूख रखने वाले लोगों की भूमिका होने की भी चर्चा है।

फर्जी बिल्टी और परचून के सामान की आड़- तस्करी के इस नेटवर्क का तरीका बेहद संगठित बताया जा रहा है। शराब से भरे ट्रकों को कई बार फर्जी बिल्टी के सहारे रवाना किया जाता है, जबकि कुछ मामलों में परचून या अन्य सामान की आड़ में शराब की खेप भेजने की बात सामने आई है। आरोप है कि ट्रक चालकों को ठेकेदारों की ओर से फर्जी सिमकार्ड दिए जाते हैं और संपर्क के लिए वर्चुअल कॉल का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि उनकी पहचान और बातचीत का पता लगाना मुश्किल हो।

रास्ते में बदल दिए जाते हैं ट्रक चालक- इस नेटवर्क में चालकों की भूमिका भी अलग-अलग तय होने की बात कही जा रही है। बताया जाता है कि एक चालक ट्रक को निर्धारित स्थान तक पहुंचाता है, जहां दूसरा चालक उसे लेकर आगे रवाना हो जाता है। दोनों चालकों को आपस में संपर्क नहीं रखने के निर्देश दिए जाते हैं। इतना ही नहीं, ट्रक के आगे ठेकेदारों के लोग पेट्रोलिंग करते हुए चलते हैं, ताकि रास्ते में किसी तरह की परेशानी की सूचना समय रहते मिल सके।



आबकारी और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

इंदौर से लेकर आलीराजपुर और झाबुआ तक इतने बड़े पैमाने पर ट्रकों की आवाजाही के बावजूद निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। आबकारी विभाग और बायपास से जुड़े पुलिस थानों की भूमिका भी चर्चा के घेरे में है। सवाल यह है कि यदि रोजाना इतनी बड़ी खेप गुजर रही है तो परिवहन दस्तावेजों, बिल्टी और माल की नियमित जांच क्यों नहीं हो रही? क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर कहीं न कहीं मिलीभगत के आरोपों की जांच जरूरी है? अब जरूरत है कि आबकारी विभाग और पुलिस इस कथित नेटवर्क की निष्पक्ष जांच करें, ताकि शराब तस्करी के पीछे सक्रिय लोगों और संभावित संरक्षण देने वालों की वास्तविक भूमिका सामने आ सके।

महंगे ठेके-कम बिक्री से तस्करी का खेल

शराब कारोबार से जुड़े लोगों के बीच चर्चा है कि कई ठेकेदारों ने दुकानों के ठेके ऊंची कीमत पर लिए हैं। लेकिन अपेक्षित बिक्री नहीं होने के कारण मुनाफे का गणित बिगड़ गया। इसकी भरपाई के लिए कथित तौर पर अवैध सप्लाई का रास्ता अपनाया जा रहा है। आलीराजपुर क्षेत्र के अलपेश, प्रदीप चौहान, चंदर चौहान और बाबू के नाम भी इस कथित नेटवर्क के संदर्भ में सामने आ रहे हैं। हालांकि, इन व्यक्तियों की भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि और आधिकारिक जांच जरूरी है।

सीएम मोहन यादव ने कलेक्टरों-एसपी को दी दो टूक चेतावनी

त्योहार में लापरवाही हुई तो कलेक्टर जिम्मेदार किसानों को खाद नहीं मिली तो सीधे जवाबदेही तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली और खेती-किसानी के महत्वपूर्ण समय को देखते हुए प्रदेश के सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को कानून व्यवस्था तथा प्रशासनिक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि दीपावली पर आम लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और किसानों को खाद-उर्वरक के लिए भटकना नहीं पड़े। खाद की आपूर्ति और वितरण में लापरवाही सामने आई तो संबंधित कलेक्टर जिम्मेदार माने जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अवैध शराब, मादक पदार्थों और प्रतिबंधित पटाखों के कारोबार पर भी कठोर कार्रवाई करने को कहा है।

मुख्यमंत्री बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों और उत्साह का पर्व है। सभी लोग त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं, इसके लिए पुलिस और प्रशासन कानून व्यवस्था की पुख्ता तैयारी करें। त्योहार के दौरान किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। खेतों में कृषि कार्य तेजी से चल रहे हैं और खाद-उर्वरक की जरूरत भी बढ़ी है। ऐसे में किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कलेक्टर से लेकर कृषि और विपणन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पूरी तरह सक्रिय रहें। खाद वितरण में किसी तरह की अव्यवस्था या कालाबाजारी नहीं होनी चाहिए। बैठक में कृषि विभाग के सचिव ने बताया कि प्रदेश में खाद की आपूर्ति को लेकर कोई परेशानी नहीं है।



छोटे दुकानदारों को राहत, अवैध पटाखों पर रोक

मुख्यमंत्री ने दीपावली के दौरान बड़े बाजारों में फल, फूल, दीपक, बाती और झालर की दुकानें लगाने वाले छोटे व्यापारियों को तहबाजारी से छूट देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय छोटे दुकानदारों को अनावश्यक परेशान नहीं किया जाए। साथ ही अवैध और प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री तथा उपयोग पर रोक लगाई जाए। मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के इस्तेमाल पर भी सख्ती से अंकुश लगाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे दीपावली पर गरीब बस्तियों, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में जाकर बच्चों और बुजुर्गों के साथ खुशियां बांटें। मुख्यमंत्री ने अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहरीली और नकली शराब बनाने के ठिकानों की पहचान कर आरोपियों पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। शराब के अवैध कारोबार में एजेंटी, पैकारी और डायरी व्यवस्था जैसी गतिविधियों को पूरी तरह बंद कराया जाए। शराब परिवहन करने वाले वाहनों का भौतिक सत्यापन करने और लाइसेंसी दुकानों पर निर्धारित कीमत से अधिक वसूली रोकने के निर्देश भी दिए। पुलिस और आबकारी विभाग नियमित रूप से शराब के नमूने लें।

नशे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने का अभियान

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए गांजा, अफीम सहित अन्य मादक पदार्थों की अवैध खेती और कारोबार पर निर्णायक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने नारकोटिक्स नेटवर्क को ध्वस्त करने, मादक पदार्थ बनाने वाली प्रयोगशालाएं बंद कराने और विशेष दल गठित कर कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। अपराधियों के खिलाफ पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए।

9 नवंबर को प्रदेश में गोवर्धन पूजा

मुख्यमंत्री ने 9 नवंबर को प्रदेशभर में गोवर्धन पूजा के आयोजन करने के निर्देश दिए। भोपाल में भी बड़ा राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। सभी गौशालाओं में गौपूजन के साथ गाय के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गौशालाओं में टीवी स्क्रीन लगाकर भोपाल के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के विजेता पशुपालकों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में छह विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित करने और सरकारी योजनाओं, अनुदान तथा तकनीकी सहायता का प्रचार करने को कहा। गोवर्धन पूजा पर बैलगाड़ी प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव भी दिया। मुख्यमंत्री ने धनतेरस के दिन मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे पट्टों को पक्की रजिस्ट्री में बदलने का अभियान तेज करने के निर्देश दिए।

मप्र में पुलिस व्यवस्था में फेरबदल-

सात जिलों के एसपी और डीआईजी जाएंगे प्रशिक्षण पर, नए अफसर तैनात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश गृह विभाग ने 14 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को 28वें मिड कॅरिअर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमसीटीपी) फेज-III के लिए कार्यमुक्त करने के संबंध में वैकल्पिक कार्यभार व्यवस्था का आदेश जारी किया है। हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में यह प्रशिक्षण 20 नवंबर तक हो रहा है। प्रशिक्षण में जाने वाले अधिकारियों में एक उप पुलिस महानिरीक्षक और सात जिलों के पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। गृह विभाग ने इन अधिकारियों की अनुपस्थिति में उनके दायित्वों का निर्वहन करने के लिए अन्य आईपीएस अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभाग ने नई व्यवस्थाएं बनाई हैं। इसके तहत उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेंज विवेक सिंह के स्थान पर पुलिस अधीक्षक शहडोल संजय कुमार अग्रवाल को अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। वहीं नगरीय पुलिस भोपाल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान की जगह अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला कार्यभार संभालेंगी। इसके अलावा 23वीं वाहिनी विसबल भोपाल के सेनानी प्रमोद कुमार सिन्हा का प्रभार 25वीं वाहिनी के सेनानी नागेंद्र सिंह को सौंपा गया है।

प्रमुख पदों पर वैकल्पिक कार्यभार

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी के उप निदेशक रामजी श्रीवास्तव के स्थान पर राज्य पुलिस सेवा की अधिकारी रश्मि पाण्डेय कार्यभार संभालेंगी। पुलिस अधीक्षक रायसेन आशुतोष के स्थान पर रेल भोपाल के पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल को जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस उपायुक्त जोन-2 भोपाल विकास कुमार सहवाल की अनुपस्थिति में पुलिस उपायुक्त जोन-3 आयुष गुप्ता उनका कार्य देखेंगे। गृह विभाग ने अधिकारियों की रवानगी से पूर्व ही सभी वैकल्पिक व्यवस्थाएं तय कर दी हैं ताकि मैदानी स्तर पर प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों।

जिलों में नई जिम्मेदारियों का आवंटन

आदेश के अनुसार मनीष खत्री के स्थान पर हेलेन सोनाली सूना और रेल जबलपुर के पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश की जगह सिद्धार्थ चौधरी कार्यभार संभालेंगे। पुलिस अधीक्षक बड़वानी पद्म विलोचन शुक्ला का प्रभार सेनानी विनोद कुमार सिंह को दिया गया है। पुलिस अधीक्षक आगर मालवा दिलीप कुमार सोनी के स्थान पर सेनानी दीपक कुमार शुक्ला कार्यभार देखेंगे। इसी तरह पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराव की जगह अंकित सोनी, पुलिस अधीक्षक मऊगंज सुरेंद्र कुमार जैन की जगह मनोहर सिंह मंडलोई तथा पुलिस अधीक्षक डिंडोरी आशीष खरे के स्थान पर सेनानी सुनील तिवारी जिम्मेदारी संभालेंगे।

गौशालाओं के लिए मप्र सरकार की बड़ी पहल!

अब निराश्रित गोवंश को मिलेगा पौष्टिक सुदाना पशु आहार, चार सरकारी संस्थाओं के बीच करार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की गौशालाओं में रहने वाले निराश्रित गोवंश के बेहतर खानपान और पोषण को लेकर प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। अब राज्य की पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित गोवंश को सुदाना पशु आहार उपलब्ध कराया जाएगा। इस व्यवस्था से गौशालाओं में रहने वाली गायों के भरण-पोषण को बेहतर बनाने और उनके स्वास्थ्य की देखभाल में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके लिए बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संचालनालय में चार सरकारी संस्थाओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते में पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड, मध्यप्रदेश राज्य दुग्ध महासंघ (सांची) और मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम शामिल हैं। अनुबंध के अनुसार, राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत सांची दुग्ध महासंघ और मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं तक सुदाना पशु आहार पहुंचाने का काम करेंगे। इससे गौशालाओं को पशु आहार उपलब्ध कराने की व्यवस्था में बेहतर समन्वय स्थापित होगा।



गौशालाओं में गोवंश के पोषण पर रहेगा विशेष ध्यान

सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य निराश्रित गोवंश को बेहतर पोषण उपलब्ध कराना है। प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में बड़ी संख्या में ऐसे गोवंश को आश्रय दिया जाता है, जिनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी गौशाला संचालकों पर होती है। सुदाना पशु आहार की उपलब्धता से गौशालाओं में पशुओं के खानपान की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही विभिन्न सरकारी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से गौसंरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

एमओयू के दौरान मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड के प्रबंध संचालक एवं पशुपालन विभाग के संचालक डॉ. पीएस पटेल, सांची दुग्ध महासंघ के प्रबंध संचालक डॉ. जयदीप बिस्वास, समूह प्रमुख डॉ. शुभांकर नंदा और पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के कार्यपालिक संचालक डॉ. प्रवीण शिंदे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा डॉ. अनुपम अग्रवाल, डॉ. विनीत तिवारी और डॉ. प्रियकांत पाठक सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया। प्रदेश सरकार की यह पहल गौशालाओं में निराश्रित गोवंश के लिए बेहतर खानपान की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में अहम कदम है।

गांवों में 15.98 लाख परिवारों को मिला जमीन-मकान का मालिकाना हक

भोपाल। मध्यप्रदेश के गांवों में वर्षों से अपनी जमीन और मकानों पर काबिज परिवारों को अब कानूनी मालिकाना हक मिलने लगा है। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन योजना के तहत प्रदेश में अब तक 15 लाख 98 हजार 46 रजिस्ट्रियां पूरी की जा चुकी हैं। इस योजना से ग्रामीण परिवारों को उनकी आवासीय संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज मिल रहा है। इससे न केवल संपत्ति पर उनका अधिकार मजबूत होगा, बल्कि बैंक से ऋण लेने और दूसरी वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने का रास्ता भी खुलेगा। योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को उनके मकान और भूखंड का कानूनी अधिकार देना है। खास बात यह है कि पात्र मकानों और भूखंडों का पंजीयन पूरी तरह निशुल्क किया जा रहा है।

15 दिनों में विस्तृत रिपोर्ट और कार्रवाई का ब्योरा तलब

तीन से पांच लाख में खरीदकर 40 लाख में बच्चियों का सौदा, मप्र समेत तीन राज्यों से NHRC ने मांगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश और राजस्थान के सीमावर्ती जिलों से महाराष्ट्र में बच्चियों को ले जाकर बेचे जाने की बात सामने आने पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेकर जांच प्रारंभ की है। आयोग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों से दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

15 दिनों में जवाब देने के लिए कहा गया है। इसमें वस्तुस्थिति, पुलिस द्वारा पकड़े गए मामले, रोकने के प्रयास आदि की जानकारी चाही गई है। पिछले माह मीडिया में आई खबरों के आधार पर आयोग ने संज्ञान लिया है।



मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमाओं से लगे कई जिलों में माता-पिता अपनी नाबालिग बेटियों को बिचौलियों को तीन से पांच लाख रुपये में बेच रहे हैं। इसके बाद, बिचौलिए इनके झूठे दस्तावेज के आधार पर अपना गोद लिया हुआ बच्चा बताकर उनकी तस्करी करते हैं। जब ये लड़कियां बड़ी हो जाती हैं, तो उनकी पहचान छुपाने के लिए उनके निजी विवरण बदल दिए जाते हैं और उन्हें महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में यौन व्यापार के लिए 35 लाख से 40 लाख रुपये में बेच दिया जाता है। रिपोर्ट में कुछ मामलों का भी उल्लेख बिना पहचान दिए किया गया है। आयोग का मानना है कि मीडिया रिपोर्ट में दी गई जानकारी सच है, तो यह पीड़ित बच्चियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है।

10 वर्ष से 2600 बच्चियों को खोज नहीं पाई एमपी पुलिस

मध्य प्रदेश से गायब 2600 बच्चियों को खोज नहीं पाई पुलिस। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा शाखा की रिपोर्ट के अनुसार 2,600 बालिकाएं 10 वर्ष से गायब हैं, पर पुलिस खोज नहीं पाई है।

मेट्रो एंकर — लंदन में मध्यप्रदेश के पर्यटन की झलक

खजुराहो से कान्हा तक की विरासत का दुनिया को न्योता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश अब अपनी ऐतिहासिक विरासत, वन्यजीव संपदा, आध्यात्मिक स्थलों और सांस्कृतिक पहचान के दम पर अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार में बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने लंदन में आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) 2026 में प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रदर्शन किया है। 3 से 5 नवंबर तक एक्सेल लंदन में चल रहे इस वैश्विक आयोजन में मध्यप्रदेश ने दुनिया के सामने अपनी पर्यटन ताकत पेश की है। प्रदेश का उद्देश्य यूरोप सहित दुनिया के प्रमुख पर्यटन बाजारों में अपनी पहचान मजबूत करना और विदेशी पर्यटकों को मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित करना है।



केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राज्यसभा सांसद एवं इन्फोसिस फाउंडेशन की संस्थापक सुधा मूर्ति ने मध्यप्रदेश पवेलियन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एमपी टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविन्द बेडेकर सहित पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। मध्यप्रदेश पवेलियन में प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया जा रहा है। इसमें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो, सांची और भीमबेटका प्रमुख आकर्षण हैं। वहीं कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना और सतपुड़ा के जंगलों की वन्यजीव संपदा को भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के सामने रखा गया है। आध्यात्मिक पर्यटन के तहत उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर और चित्रकूट की विशेषताओं को प्रदर्शित किया जा रहा है। इसके अलावा ओरछा, मांडू और चंदेरी के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प और समुदाय आधारित पर्यटन की संभावनाएं बताई जा रही हैं। अपर प्रबंध संचालक डॉ. बेडेकर के नेतृत्व में प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल 10 पर्यटन क्षेत्र के हितधारकों के साथ आयोजन में शामिल हुआ है। यहां अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन कंपनियों के साथ व्यावसायिक बैठकें की जा रही हैं। इन बैठकों का उद्देश्य विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी विकसित करना और मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाना है।

लंदन में दिखाई मध्यप्रदेश की अनकही कहानियां

विश्व पर्यटन बाजार के साथ ही एमपी टूरिज्म बोर्ड ने फ्रेंड्स ऑफ मध्यप्रदेश के सहयोग से 3 नवंबर को ताज, सेंट जेम्स पार्क में मध्यप्रदेश क्रॉनिकल्स-एन इवनिंग ऑफ अनटोल्ड नैरेटिव्स कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कहानीकारों, सामाजिक माध्यमों के प्रभावशाली लोगों, वन्यजीव छायाकारों, फिल्म निर्माताओं और यात्रा कारोबार से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. बेडेकर ने मध्यप्रदेश के वन्यजीव, ऐतिहासिक धरोहर, खानपान, जनजातीय परंपराओं और फिल्म निर्माण के लिए उपयुक्त स्थलों की जानकारी दी। मैहर के आर्ट इचोल की विधि बेरी ने प्रदेश की कला और शिल्प परंपराओं को प्रस्तुत किया। वहीं बीबीसी पुरस्कार से सम्मानित छायाकार सलील तांबे ने वन्यजीव और पर्यटन छायाचित्रों के जरिए प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता दिखाई।

महासागरों की तपिश

धरती का तापमान बढ़ने की चर्चा अब तक जंगलों के सिमटने, ग्लेशियरों के पिघलने और मौसम के असामान्य होने तक सीमित रही है, लेकिन जलवायु परिवर्तन का एक और खतरनाक चेहरा महासागरों की गहराइयों में आकार ले रहा है। समुद्र अब पहले की तरह केवल जीवन और आजीविका का आधार नहीं रह गए हैं, उनकी बढ़ती तपिश विनाशकारी तूफानों के लिए ऊर्जा का स्रोत बनती जा रही है। आंध्र प्रदेश के तट से टकराया अर्नब चक्रवात इसी बदलते प्राकृतिक मिजाज की चेतावनी है। समुद्र का गर्म होना कोई सामान्य मौसमी बदलाव नहीं है। महासागर वातावरण की अतिरिक्त गर्मी का बड़ा हिस्सा अपने भीतर समेट लेते हैं। लेकिन जब यही गर्मी समुद्री पारिस्थितिकी और वायुमंडलीय परिस्थितियों को प्रभावित करने लगती है, तब उसका असर तूफानों की ताकत और बारिश की तीव्रता में दिखाई देता है। अर्नब का महज 36 घंटों में निम्न दबाव से बेहद गंभीर चक्रवात बन जाना इसी चिंता को गहरा करता है। गर्म समुद्र से उठने वाली जलवाष्प और उसके संघनन से निकलने वाली ऊर्जा तूफानों को अतिरिक्त ताकत देती है। अल-नीनो जैसी परिस्थितियां भी इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि सितंबर 2026 में समुद्री सतह का तापमान औसत से 1.10 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर के कई हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा। हिंद महासागर का तेजी से गर्म होना भारत के लिए विशेष चिंता का विषय है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के तटीय क्षेत्रों में रहने वाली बड़ी आबादी सीधे इन बदलावों की जद में है। भारत ने बेहतर पूर्वानुमान और आपदा प्रबंधन से चक्रवातों में जनहानि कम करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, लेकिन केवल लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा देना पर्याप्त नहीं। तटीय बस्तियों, कृषि, मत्स्य पालन और बुनियादी ढांचे को होने वाला आर्थिक नुकसान भी गंभीर चुनौती है। प्रकृति के संकेतों को महज मौसमी घटनाएं मानकर टालने का समय निकल रहा है। महासागरों की बढ़ती तपिश दरअसल हमारी विकास संबंधी प्राथमिकताओं पर भी सवाल है। ऊर्जा की अंधाधुंध खपत, पर्यावरण की अनदेखी और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन यदि इसी तरह जारी रहा तो समुद्र की यह गर्मी तटों तक सीमित नहीं रहेगी।

खाकी वर्दी का सम्मान और जवाबदेही की कसौटी... सवाल प्रतिष्ठा का

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

पुलिस विभाग पर समाज की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों के जीवन एवं संपत्ति की रक्षा करने का महत्वपूर्ण दायित्व है। इस जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए पुलिसकर्मियों से अनुशासन, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा की अपेक्षा की जाती है। पुलिस की वर्दी केवल सरकारी कर्मचारी की पहचान नहीं, बल्कि राज्य की शक्ति, कानून के शासन और नागरिकों के विश्वास का प्रतीक है। लेकिन जब इसी वर्दी में कुछ लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हैं, आम नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, रिश्वत मांगते हैं अथवा हिरासत में अमानवीय व्यवहार करते हैं, तब सवाल केवल संबंधित पुलिसकर्मी के आचरण का नहीं रह जाता। इसका असर पूरे पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता पर पड़ता है।

देश में पुलिसकर्मियों की बड़ी संख्या कठिन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियां निभाती है। अपराधियों से मुठभेड़, सांप्रदायिक तनाव, प्राकृतिक आपदाओं, चुनावों और सामाजिक आयोजनों के दौरान वे जोखिम उठाते हैं। सीमित संसाधनों, लंबे कार्यघंटों और कर्मचारियों की कमी के बावजूद अनेक पुलिसकर्मी अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सहायता करते हैं। इसलिए कुछ लोगों के अनुचित आचरण के आधार पर पूरे पुलिस महकमे को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी सच है कि वर्दी की आड़ में मनमानी करने वालों के विरुद्ध कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होगी तो ईमानदार पुलिसकर्मियों की मेहनत भी संदेह के घेरे में आने लगेगी।



बिहार की घटनाएं इस चिंता को सामने लाती हैं। सारण जिले में एक महिला सिपाही का वीडियो सामने आया, जिसमें वह पुलिस वाहन के भीतर एक युवक से कथित तौर पर रिश्वत की रकम को लेकर बातचीत करती दिखाई दी। मामला सामने आने के बाद महिला सिपाही इंदु कुमारी और सब-इंस्पेक्टर जगदीश शर्मा को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की गई। बताया गया कि युवक को छोड़ने के बदले पैसे मांगे जा रहे थे। पुलिस की आपातकालीन सेवा का उद्देश्य संकट में फंसे नागरिकों को तत्काल सहायता देना है। यदि उसी वाहन का इस्तेमाल अवैध वसूली के लिए होने लगे तो यह केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात है। सारण जिले के मेकर थाना क्षेत्र में बाढ़ राहत सामग्री लेने पहुंचे लोगों की ओर थाना प्रभारी द्वारा सर्विस पिस्तौल तानने का मामला भी चर्चा में आया। राहत सामग्री वितरण के दौरान हुए विवाद का वीडियो प्रसारित होने के बाद संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित किया गया। बाढ़ जैसी आपदा में लोग पहले ही घर, रोजगार और जरूरी सामान गंवाने की पीड़ा से गुजर रहे होते हैं। ऐसे समय में पुलिस की भूमिका भय पैदा करने की नहीं, बल्कि व्यवस्था बनाने, जरूरतमंदों की सहायता करने और राहत वितरण को निष्पक्ष बनाने की होनी चाहिए। कानून लागू करने का अधिकार किसी पुलिसकर्मी को नागरिकों को हथियार के बल पर अपमानित करने का अधिकार नहीं देता।

पश्चिम चंपारण के सहोदरा थाना क्षेत्र में दिलशाद अंसारी की पुलिस हिरासत में मौत का मामला भी गंभीर सवाल खड़े करता है। अक्टूबर 2026 में सामने आई इस घटना के बाद थाना प्रभारी सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। पुलिस का कहना था कि हिरासत से ले जाते समय दिलशाद चलती गाड़ी से कूद गए थे और घायल होने के बाद अस्पताल में उनकी मृत्यु हुई। दूसरी ओर, परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें घर से रात में उठाकर ले जाया गया और हिरासत में उनके साथ मारपीट हुई। इन दोनों पक्षों के बीच वास्तविकता का निर्धारण निष्पक्ष जांच से ही हो सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति की मृत्यु पुलिस नियंत्रण में होने पर जांच की पारदर्शिता और साक्ष्यों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हिरासत में मौजूद व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य और पुलिस प्रशासन की होती है।

झारखंड में भी पुलिस आचरण को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। लातेहार जिले में एक आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि अफीम की कथित खेती से संबंधित पूछताछ के दौरान उसे पुलिस हिरासत में प्रताड़ित किया गया और उल्टा लटकाया गया। महिला ने यौन उत्पीड़न और अवैध हिरासत के आरोप भी लगाए। मामले में थाना प्रभारी और एक सिपाही को निलंबित किया गया तथा मुख्यमंत्री ने जांच के निर्देश दिए। इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी, लेकिन किसी महिला, विशेषकर ग्रामीण और आदिवासी समुदाय की महिला के साथ पुलिस कार्रवाई के दौरान गरिमा और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन गंभीर विषय है। कानून के नाम पर कानून से बाहर जाकर कार्रवाई करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। झारखंड में पुलिस हिरासत में मौतों का प्रश्न भी केवल व्यक्तिगत घटनाओं तक सीमित नहीं है। मई 2026 में झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के आंकड़ों का परीक्षण करते हुए 2018 से 2026 के बीच 427 हिरासत संबंधी मौतों की जानकारी पर गंभीर चिंता जताई। अदालत के समक्ष प्रस्तुत विवरण के अनुसार, इनमें से 262 मामलों की जांच न्यायिक मजिस्ट्रेट के बजाय कार्यपालक मजिस्ट्रेटों से कराई गई थी। अदालत ने कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन पर सवाल उठाते हुए ऐसे मामलों में नए सिरे से न्यायिक जांच का निर्देश दिया। यह मामला बताता है कि पुलिस जवाबदेही का प्रश्न केवल किसी अधिकारी को निलंबित करने से हल नहीं हो सकता। हिरासत में हुई प्रत्येक अप्राकृतिक मौत की स्वतंत्र और विश्वसनीय जांच संवैधानिक व्यवस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र में पुलिस की ताकत उसके पास मौजूद हथियार, वर्दी या कानूनी अधिकारों से नहीं, बल्कि कानून के प्रति उसकी निष्ठा और जनता के विश्वास से निर्धारित होती है। कुछ पुलिसकर्मियों की अनुशासनहीनता को नजरअंदाज करना उन हजारों ईमानदार कर्मियों के योगदान के साथ भी अन्याय है, जो कठिन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि पुलिस विभाग आत्ममंथन करे और अपने भीतर जवाबदेही की ऐसी संस्कृति विकसित करे, जिसमें पद और वर्दी किसी को कानून से ऊपर होने का अहसास न कराएं। आखिरकार, पुलिस का उद्देश्य नागरिकों में भय पैदा करना नहीं, बल्कि अपराध और अराजकता के भय से उन्हें मुक्त करना है। जिस दिन आम आदमी थाने में अपनी शिकायत लेकर जाते समय भय के बजाय भरोसा महसूस करेगा, उस दिन पुलिस और जनता के बीच संबंधों की वास्तविक मजबूती दिखाई देगी। वर्दी का सम्मान आदेश से नहीं, आचरण से मिलता है। पुलिस की असली प्रतिष्ठा इस बात में नहीं है कि लोग उससे डरते हैं, बल्कि इस बात में है कि संकट के समय लोग उसी पर भरोसा करते हैं। यही अनुशासन की असली कसौटी और लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहचान होनी चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

त्योहार की खुशियां, प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

ललित गर्ग
स्तंभकार

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।



मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है।

आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंततः सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का पर्व नहीं। यही समय की पुकार है और यही सच्चे उत्सव का विवेकपूर्ण अर्थ है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रोजाना कई दवाएं एक साथ खाने से बढ़ सकता है ड्रग इंटरेक्शन का खतरा

एक साथ कई दवाएं लेना हमेशा नुकसानदायक नहीं होता, लेकिन बिना डॉक्टर की सलाह के अलग-अलग दवाएं, पेन किलर या सप्लीमेंट्स लेना सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। खासकर बुजुर्गों और डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोग से पीड़ित लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। डायबिटीज, हाई बीपी, गठिया और दिल की बीमारियों में कई बार मरीज को एक से अधिक दवाएं लेने की जरूरत पड़ती है। डॉक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार दवाओं का कॉम्बिनेशन तय करते हैं। समस्या तब पैदा हो सकती है, जब बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई नई दवा, पेन किलर, सर्दी-जुकाम की दवा या हर्बल सप्लीमेंट शुरू कर दिया जाए।



ड्रग इंटरेक्शन ऐसी स्थिति है, जिसमें एक दवा का असर दूसरी दवा, भोजन, शराब या सप्लीमेंट के कारण बदल जाता है। इससे दवा का प्रभाव कम या ज्यादा हो सकता है और अनचाहे साइड इफेक्ट सामने आ सकते हैं। कुछ दवाओं को साथ लेने से अत्यधिक नींद और चक्कर आ सकते हैं। कुछ दवाओं का कॉम्बिनेशन ब्लीडिंग का खतरा बढ़ा सकता है और कुछ दवाएं ब्लड प्रेशर बहुत कम कर सकती हैं।

कुछ दवाएं ब्लड शुगर को बढ़ा या घटा सकती हैं। हालांकि, डॉक्टर की निगरानी में कई दवाओं का कॉम्बिनेशन सुरक्षित और जरूरी हो सकता है। एक व्यक्ति का एक साथ कई दवाएं लेना पॉलीफार्मेसी कहलाता है। आमतौर पर पांच या उससे अधिक दवाएं लेने को इस स्थिति के संदर्भ में देखा जाता है। बुजुर्गों में यह चिंता का विषय हो सकता है, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ किडनी और लिवर की कार्यक्षमता में बदलाव आता है। इससे कुछ दवाएं शरीर से धीरे बाहर निकलती हैं। इसके कारन दवाओं के साइड इफेक्ट बढ़ सकते हैं। चक्कर आने और गिरने का खतरा बढ़ सकता है।

हाई बीपी के मरीजों में कुछ पेन किलर्स ब्लड प्रेशर नियंत्रण और किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। वहीं, डायबिटीज के मरीजों में कुछ स्टेरॉइड दवाएं ब्लड शुगर बढ़ा सकती हैं। दूसरी ओर, कुछ दवाओं के कॉम्बिनेशन से शुगर बहुत कम होने यानी हाइपोग्लाइसीमिया का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नई दवा शुरू करने से पहले डॉक्टर को अपनी सभी मौजूदा दवाओं की जानकारी देना जरूरी है। जरूरी है कि डॉक्टर की सलाह के बिना कोई नई दवा शुरू न करें। अपनी सभी प्रिस्क्रिप्शन और बिना पर्चे वाली दवाओं की सूची बनाकर रखें। विटामिन और हर्बल सप्लीमेंट्स की जानकारी भी डॉक्टर को दें। दवाओं की खुराक और समय का पालन करें। समय-समय पर डॉक्टर से अपनी दवाओं की समीक्षा करवाएं।

निशाना

बेबस उजाला है..!



घनश्याम मैथिल 'अमृत'

आज झूंठ का हर तरफ, बोलबाला है,
अंधेरे की कैद में देखा,बेबस उजाला है,
तरक्की है हर तरफ , हैं विकास के वादे,
यह खेल लफ्ज़ों का ,गड़बड़ घोटाला है,
अभिमन्यु की तरह सच, घेरे हुए हैं लोग,
सच्चाई के मुँह पे ,अलीगढ़ का ताला है,
ओढ़ते बिछाते हैं ,हर सांस अपनी झूंठ
शपथ लेकर दे रहे, सच का हवाला है,
लगता है झूठ उसका, यूं सच की तरह ,
खूबसूरती से जुमला, उसने उछाला है,
दिखता है अलग वो,यहां भीड़ में सबसे,
ये अंदाज उसका दोस्तो ,कैसा निराला है,
पसीने से नहीं वास्ता , लूट का है माल,
उनका हर महल, गरीबों का निवाला है।

वायरल कंटेंट

दोस्ती में मिली चुनौती... बैंक कर्मचारी ने बिना खाए पूरी की चार धाम यात्रा

दोस्ती में लगी शर्त को पूरा करने के लिए लोग अक्सर कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं, लेकिन मुंबई में काम करने वाले भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के एक कर्मचारी ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। दोस्त से चारधाम यात्रा पहले पूरी करने की चुनौती मिलने के बाद उन्होंने आनन-फानन में द्वारका जाने का फैसला किया। इतना ही नहीं, उन्होंने द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन करने तक कुछ भी नहीं खाया। अब उनकी इस अनोखी यात्रा का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।



दरअसल, इस शख्स का नाम उत्सव कुमार झा है। वह मुंबई में भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा में काम करते हैं। उत्सव ने अपने दोस्त ईतेश कुमार राय के साथ शर्त लगाई थी कि दोनों में से कौन सबसे पहले चारधाम यात्रा पूरी करेगा। उत्सव को जब पता चला कि उनके दोस्त ईतेश 4 नवंबर को रामेश्वरम जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो उन्हें लगा कि अगर उन्होंने जल्दी कदम नहीं उठाया तो दोस्त उनसे पहले चारधाम यात्रा पूरी कर लेगा। इसके बाद उन्होंने बिना देर किए द्वारका जाने का फैसला कर लिया। उनके पास समय बेहद कम था और शर्त जीतने के लिए जल्द से जल्द मंदिर पहुंचना जरूरी था। उत्सव ने 1 नवंबर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर इस पूरी यात्रा की कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शर्त जीतने के लिए उनके पास केवल दो दिन बचे थे। ऐसे में ऑफिस से घर लौटते ही उन्होंने अपना बैग पैक किया और प्रीमियम तत्काल में ट्रेन का टिकट बुक कर लिया। इसके बाद वह बिना समय गंवाए द्वारका के लिए रवाना हो गए। उत्सव द्वारका पहुंच गए और द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद मंदिर के सामने खड़े होकर उन्होंने अपने दोस्त को वीडियो के जरिए जीत की जानकारी दी। उन्होंने मजेदार अंदाज में कहा, 'सॉरी ईतेश भाई, क्या सोचा था कि तुम मुझसे पहले चारधाम यात्रा पूरी कर लोगे? मेरे पीछे देखो, यह द्वारका मंदिर है। इसका मतलब है कि मैंने तुमसे पहले चारधाम यात्रा पूरी कर ली है।'

इसके बाद उन्होंने बताया कि अब वह खाना खा सकते हैं, क्योंकि सुबह से उन्होंने कुछ नहीं खाया था।

43 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा वीडियो: उत्सव ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट @utsav_kumar_jha पर शेयर किया है। वीडियो को अब तक 43 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। सोशल मीडिया यूजर्स दोनों दोस्तों की दोस्ती और उत्सव के उत्साह की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने उन्हें 'प्योर सोल' बताया, जबकि दूसरे ने लिखा कि उनकी खुशी देखकर दिल खुश हो गया।

टेक्नो अपडेट

अरट्टई और मैपल्स की साझेदारी से चैट पर मिलेगी सटीक लोकेशन

भारत में स्वदेशी टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने की दिशा में दो बड़ी कंपनियों ने हाथ मिलाया है। जोहो कॉर्पोरेशन के मैसेजिंग ऐप Arattai और मैपमायइंडिया के नेविगेशन प्लेटफॉर्म Mappls ने साझेदारी की है। इस सहयोग के बाद यूजर्स को चैट के जरिए लोकेशन साझा करने और रास्ता खोजने में आसानी होगी। अब अरट्टई पर किसी दोस्त या रिश्तेदार से बातचीत करते समय उसकी भेजी गई लोकेशन सीधे मैपल्स पर खोलकर रास्ता देखा जा सकेगा। इससे यूजर्स को बार-बार अलग-अलग ऐप के बीच स्विच करने की जरूरत कम होगी।



इस साझेदारी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि अरट्टई पर शेयर की गई लोकेशन को एक क्लिक में मैपल्स पर खोला जा सकेगा। इसके बाद यूजर मैप पर संबंधित जगह का रास्ता देख सकता है और वहां पहुंचने के लिए नेविगेशन का इस्तेमाल कर सकता है। इससे दोस्तों के घर, ऑफिस या किसी अन्य जगह पर पहुंचना आसान हो सकता है। मैपमायइंडिया का Mappls नेविगेशन प्लेटफॉर्म भारतीय सड़कों और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। भारत के कई शहरों में संकरी गलियां, छोटे रास्ते और मकानों के जटिल पते खोजने में परेशानी होती है। ऐसे में सटीक लोकेशन और डोरस्टेप नेविगेशन काफी उपयोगी साबित हो सकता है। मैपल्स की खासियत इसका डोरस्टेप नेविगेशन सिस्टम है, जो यूजर को संबंधित घर या गेट तक पहुंचने में मदद करता है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर 3D जंक्शन व्यू की सुविधा मिलती है, जिससे चौराहों और जटिल रास्तों को समझना आसान होता है। Mappls में रियल-टाइम ट्रैफिक अपडेट के साथ स्पीड ब्रेकर और तीखे मोड़ों से जुड़े सुरक्षा अलर्ट भी दिए जाते हैं। इन सुविधाओं से ड्राइवर को रास्ते की स्थिति समझने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने में मदद मिल सकती है। खासतौर पर अनजान शहरों में यात्रा करने वाले लोगों के लिए ये फीचर्स उपयोगी हो सकते हैं। संकरी गलियों और स्थानीय रास्तों की जानकारी भी नेविगेशन को बेहतर बनाने में मदद करती है। इस गठजोड़ की योजना पिछले साल यानी 2025 में सामने आई थी। उस समय मैपमायइंडिया के डायरेक्टर रोहन वर्मा ने अरट्टई के साथ Mappls API को जोड़ने का सुझाव दिया था। अब 2026 में यह साझेदारी सामने आ गई है। गूगल मैप्स और वॉट्सऐप को मिलेगी चुनौती? अरट्टई और मैपल्स की यह साझेदारी भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

13 पर एफआईआर, फिर भी सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिशें जारी!

बिशनखेड़ा पुलिया के पास शासकीय भूमि पर मिट्टी डालकर किया जा रहा समतलीकरण

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

नगर में शासकीय भूमि की कथित फर्जी रजिस्ट्री के मामले में 13 लोगों पर एफआईआर दर्ज होने के बावजूद सरकारी जमीनों पर कब्जे के प्रयासों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला बायपास स्थित वाइन शॉप के पास बिशनखेड़ा पुलिया से लगी शासकीय भूमि का है, जहां बड़े पैमाने पर मिट्टी डालकर जमीन का समतलीकरण किया जा रहा है।

मौके पर मिट्टी का बड़ा ढेर दिखाई दे रहा है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, यहां करीब 15 फीट गहरा गड्ढा था, जिसे भरकर समतल किया जा रहा है। हल्का पटवारी ने संबंधित भूमि को शासकीय बताते हुए उसका खसरा नंबर 507 बताया है। गौरतलब है कि इसी जमीन पर प्रतिवर्ष गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंड



बनाया जाता है। ऐसे में बिना अनुमति मिट्टी भराई और जमीन का स्वरूप बदलने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। क्या इसके लिए संबंधित विभाग से अनुमति ली गई है? क्या राजस्व विभाग को इसकी जानकारी है? पूर्व में शासकीय भूमि की कथित फर्जी रजिस्ट्री को लेकर 13 लोगों पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। इसके बावजूद नई जगह पर गतिविधियां सामने आने से प्रशासनिक निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। अब मांग उठ रही है कि प्रशासन तत्काल स्थल निरीक्षण कर सीमांकन कराए और मिट्टी भराई से संबंधित अनुमति के दस्तावेजों की जांच करे। सरकारी जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारों पर निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है।

गणेश विसर्जन कुंड की जमीन पर बदला जा रहा स्वरूप

बिशनखेड़ा पुलिया के पास स्थित खसरा नंबर 507 की शासकीय भूमि का उपयोग प्रतिवर्ष गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंड बनाने में किया जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां पहले करीब 15 फीट गहरा गड्ढा था, जिसे अब मिट्टी डालकर भरा जा रहा है। ऐसे में इस जमीन के भविष्य के उपयोग को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। यदि यह भूमि सार्वजनिक धार्मिक आयोजन के लिए उपयोग में आती रही है, तो इसके स्वरूप में बदलाव से पहले संबंधित विभाग की अनुमति और जनहित का ध्यान रखना जरूरी है। नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि मिट्टी भराई किसके निर्देश पर हो रही है और क्या इसके लिए विधिवत अनुमति ली गई है।

प्रशासन से जनता के सीधे सवाल

शासकीय भूमि पर मिट्टी भराई और समतलीकरण को लेकर नागरिकों के मन में कई सवाल हैं। आखिर खसरा नंबर 507 की जमीन पर काम कराने की अनुमति किसने दी? क्या राजस्व विभाग ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया है? यदि भूमि पर बिना अनुमति गतिविधि चल रही है, तो काम रुकवाने के लिए अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या जमीन का सीमांकन कराकर अतिक्रमण की आशंका दूर की जाएगी? पूर्व में 13 लोगों पर एफआईआर दर्ज होने के बाद भी ऐसी गतिविधियों की चर्चा प्रशासनिक निगरानी की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है। नागरिकों की मांग है कि प्रशासन केवल शिकायतों का इंतजार न करे, बल्कि स्वयं संज्ञान लेकर जांच करे और सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

बाघ की सुरक्षा के लिए वन अमला ने गांव-गांव मुनादी कर ग्रामीणों को किया अलर्ट

तेंदूखेड़ा/तारादेही। मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बुधवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। तारादेही वन परिक्षेत्र के सिलकुही, बीना महाराजपुर, झमरा, सर्रा और हिनौती सहित कई गांवों में वन अमले ने ग्रामीणों, पशुपालकों और चरवाहों को जागरूक किया। वन विभाग ने कोर एरिया में प्रवेश नहीं करने और मवेशियों को जंगल में नहीं छोड़ने की अपील की। सभी बैरियरों और चेक पोस्टों पर मुनादी भी कराई गई। एसडीओ मणिशंकर मिश्रा ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए जनसहयोग जरूरी है। वन्यजीवों की सुरक्षा और ग्रामीणों की जान-माल बचाने के लिए वन नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 हजार से अधिक के अवैध पटाखे जब्त



तेंदूखेड़ा। दीपावली पर अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में तेंदूखेड़ा थाना पुलिस ने वार्ड क्रमांक 2 में दबिश देकर 10 हजार 100 रुपए कीमत के अवैध पटाखे और फुलझड़ियां जब्त की हैं। मामले में एक आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक सरोज ठाकुर के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान विकास जैन (32), निवासी वार्ड क्रमांक 2, के कब्जे से विभिन्न किस्म के पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने अपराध क्रमांक 437/2026 के तहत धारा 9(ख) विस्फोटक अधिनियम 1884 एवं धारा 288 भारतीय न्याय संहिता में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन तथा एसडीओपी तेंदूखेड़ा अर्चना अहीर के मार्गदर्शन में की गई। इनकी रही भूमिकाः कार्रवाई में थाना प्रभारी सरोज ठाकुर, उपनिरीक्षक गजराज सिंह, प्रधान आरक्षक महेश सिंह, बृजेश तिवारी और दिनेश चौधरी शामिल रहे।

तेजगढ़ में 'जश्ने मुजद्दिद अल्फेसानी' और मुबल्लिगा कोर्स का दीक्षांत समारोह संपन्न



तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ स्थित ऐतिहासिक मस्जिद मुजद्दिद अल्फेसानी में 3 नवंबर को जश्ने मुजद्दिद अल्फेसानी एवं मुबल्लिगा कोर्स का दीक्षांत समारोह शान-ओ-शौकत के साथ आयोजित किया गया। इशा की नमाज के बाद शुरू हुए कार्यक्रम में कुरआन-ओ-हदीस की रोशनी में तकरीरें पेश की गईं। साथ ही मुबल्लिगा कोर्स पूरा करने वाली छात्राओं के परिजनों को डिग्रियां प्रदान की गईं। समारोह में मुख्य अतिथि हजरत अल्लामा मौलाना अहमद सईद मुजद्दिदी (नाजिम-ए-आला, कन्नौज) ने हजरत मुजद्दिद अल्फेसानी के जीवन और उनके धार्मिक योगदान पर प्रकाश डाला। महफिल में अब्दुल कादिर रजवी, सूफी आफताब आलम, मुफ्ती सरफराज नूरी और सनाउल्ला अंसारी सहित अनेक उलमा शामिल हुए। इस अवसर पर मौलाना अहमद सईद मुजद्दिदी को 'मुजद्दिद अल्फेसानी अवार्ड' तथा पेशइमाम अहमद अली आफाकी को 'हुजूर बेहरुल इरफान अवार्ड' से सम्मानित किया गया। करीब 50 बच्चों को पवित्र कुरआन वितरित किए गए और मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में देश में अमन, चैन और भाईचारे के लिए विशेष दुआ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तेंदूखेड़ा अस्पताल में गंभीर मरीज को समय पर नहीं मिली एंबुलेंस

राज्यमंत्री की विधानसभा में एंबुलेंस का टोटा, 3 घंटे जिंदगी से जूझता रहा वनरक्षक

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह जिले के सबसे बड़े तेंदूखेड़ा ब्लॉक में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का गंभीर मामला सामने आया है। बुधवार को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे एक वनरक्षक को जबलपुर रेफर करने के बाद करीब तीन घंटे तक एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। आखिरकार 50 किलोमीटर दूर इमलिया उप स्वास्थ्य केंद्र से एंबुलेंस बुलाई गई, तब उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर जबलपुर रवाना किया जा सका।

जानकारी के अनुसार, चंदना वन चौकी में पदस्थ वनरक्षक पंकज सांख्य बुधवार सुबह बेहोशी की हालत में मिले थे। उनके मुंह से खून निकल रहा था। वन अमले ने निजी वाहन से उन्हें तेंदूखेड़ा अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने अत्यधिक बढ़े रक्तचाप के कारण हालत गंभीर बताते हुए तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एंबुलेंस नहीं मिलने से मरीज की जान पर संकट बना रहा। तेंदूखेड़ा अस्पताल के लिए 108 और जननी एक्सप्रेस सहित दो एंबुलेंस स्वीकृत हैं, लेकिन 108 वाहन खराब होने से व्यवस्था प्रभावित है। वहीं विधायक निधि से कोरोना काल में मिली एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं है। गौरतलब है कि राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी इसी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। सीबीएमओ डॉ. अशोक बरोनिया के अनुसार, विधायक निधि से मिली पुरानी एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त होकर कंडम हो चुकी है। उन्होंने नई एंबुलेंस के लिए पत्राचार किया है। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने भी मामले में जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।



200 से अधिक गांवों की जिम्मेदारी सिर्फ एक एंबुलेंस के भरोसे

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में 200 से 250 गांव और नगर के 15 वार्ड आते हैं। इतने बड़े क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का जिम्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर है, लेकिन यहां एंबुलेंस की उपलब्धता बड़ी समस्या बनी हुई है। दो वाहन स्वीकृत होने के बावजूद 108 एंबुलेंस खराब पड़ी है और जननी एक्सप्रेस के भरोसे मरीजों को सेवाएं मिल रही हैं। कई बार मरीजों और परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। मजबूरी में निजी वाहनों से दमोह और जबलपुर जाना पड़ता है, जिस पर 2 से 3 हजार रुपए तक खर्च होते हैं। गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों के लिए यह स्थिति और भी परेशानी भरी है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से तत्काल पर्याप्त एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की है।

अधिकारियों ने माना संकट, नई एंबुलेंस की उठी मांग

एंबुलेंस व्यवस्था को लेकर सीबीएमओ डॉ. अशोक बरोनिया ने बताया कि करीब दो माह पहले ही इस संबंध में पत्राचार किया गया है। राज्यमंत्री से विधायक निधि के माध्यम से नई एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में विधायक निधि से मिली एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी और कंडम घोषित हो चुकी है। वहीं तेंदूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि वे बीएमओ से बात कर एंबुलेंस की स्थिति की जानकारी लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि गंभीर मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की आवश्यकता होने पर तत्काल इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। अब सवाल यह है कि नई एंबुलेंस कब तक मिलेगी और क्षेत्र के मरीजों को इस परेशानी से कब राहत मिलेगी?

विवादों के बीच बीएमओ की 'वापसी', प्रशासन के फैसले पर उठे सवाल

औबेदुल्लागंज स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. अमृता जीवने की दोबारा पदस्थापना से जनता में नाराजगी

औबेदुल्लागंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औबेदुल्लागंज में डॉ. अमृता जीवने की दोबारा खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) के पद पर नियुक्ति को लेकर विवाद गहराने लगा है। पूर्व कार्यकाल में एक मासूम बच्ची के उपचार में देरी और समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने को लेकर हुए जनआक्रोश के बाद उन्हें पद से हटाया गया था। अब फिर उसी पद पर जिम्मेदारी सौंपे जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

इस फैसले का सोशल मीडिया पर भी विरोध शुरू हो गया है। हिंदू संगठन के पदाधिकारी सुरेंद्र ने प्रशासन के निर्णय पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि आखिर किन परिस्थितियों में विवादों से घिरे अधिकारी को दोबारा बीएमओ बनाया गया? स्थानीय स्तर पर डॉ. जीवने के मुख्यालय पर नियमित निवास नहीं करने, भोपाल से स्वास्थ्य व्यवस्था संचालित करने और आपातकालीन परिस्थितियों में संपर्क नहीं हो पाने जैसी शिकायतें भी सामने आती रही हैं। इसके अलावा चिकित्सकों के साथ व्यवहार और ड्यूटी रोस्टर में बदलाव को लेकर भी पूर्व में सवाल उठे थे। अब जनता प्रशासन से जानना चाहती है कि दोबारा नियुक्ति से पहले इन शिकायतों की समीक्षा की गई या नहीं? जिला प्रशासन को नियुक्ति का आधार सार्वजनिक कर पूर्व शिकायतों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए, ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

108 जननी एक्सप्रेस का फेल ब्रेक चालक की सूझबूझ से टला हादसा



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह-तेंदूखेड़ा मार्ग पर बुधवार सुबह 108 जननी एक्सप्रेस का सीवी जॉइंट अचानक टूटने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और करीब 250 से 300 मीटर तक घिसटता रहा। चालक कृष्ण यादव की सूझबूझ से वाहन किनारे रुक गया। राहत की बात रही कि उस समय वाहन में कोई मरीज मौजूद नहीं था।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे चालक तेजगढ़ से मरीज को तेंदूखेड़ा छोड़कर वापस लौट रहा था। वन विभाग डिपो के पास अचानक सीवी जॉइंट टूट गया, जिससे ब्रेक सहित अन्य पार्ट्स ने काम करना बंद कर दिया। चालक ने किसी तरह वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया और उसे सड़क से नीचे उतारकर रोक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर सुबह के समय भारी यातायात रहता है। यहां से बसों के साथ स्कूली बच्चों के वाहन भी गुजरते हैं। सड़क किनारे बड़े पेड़ और आगे अंधा मोड़ होने से दुर्घटना गंभीर हो सकती थी। राहगीर सोनू राज ने बताया कि वाहन गड्ढे में फंसने से रुक गया, अन्यथा पेड़ से टकराने पर बड़ा नुकसान हो सकता था। घटना की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों ने मैकेनिक भेजकर सुधार कार्य शुरू कराया।

मंडीदीप के महावीर नगर में अवैध निर्माण का आरोप

नपा का नोटिस ठेंगे पर! चार फीट बाहर निकाले छज्जे, विद्युत पोल को भी निर्माण में दबाया

नोटिस चस्पा होने के बाद भी डाल दी आरसीसी छत

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका के नोटिस और सरकारी नियमों को दरकिनार कर निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 1 महावीर नगर फेस-1 में आस्था क्लिनिक के सामने निर्माणाधीन मकान में सड़क की ओर दोनों तरफ करीब चार-चार फीट छज्जे निकालने और विद्युत पोल को भी निर्माण के भीतर शामिल करने का आरोप है। शिकायत के बावजूद निर्माण जारी रहने से नगर पालिका की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता माया मेहदोले ने 12 अक्टूबर को मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित शिकायत देकर अनधिकृत निर्माण की जानकारी दी थी। इसके बाद नगर पालिका ने निर्माण रोकने का नोटिस चस्पा किया, लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि निर्माणकर्ता गोवर्धन राजपूत ने नोटिस उखाड़कर फेंक दिया और



17 अक्टूबर को आरसीसी की छत भी डाल दी। शिकायतकर्ता ने निर्माणकर्ता पर राजनीतिक रसूख और दबंगता के दम पर नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उनका सवाल है कि नोटिस जारी होने के बाद भी अधिकारियों ने मौके पर निगरानी क्यों नहीं की और निर्माण कैसे जारी रहा? सीएमओ ने दिए जांच के निर्देशः नगर पालिका सीएमओ सुधीर उपाध्याय ने बताया कि छज्जे निर्धारित सीमा से बाहर निकालने की शिकायत मिली है। निर्माणकर्ता को नोटिस जारी किया गया है। सब-इंजीनियर को स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अन्य अतिक्रमण मिलने पर भी बिना भेदभाव कार्रवाई होगी।

मेट्रो एंकर

युवा यादव महासभा ने एसडीओपी और थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

श्रीकृष्ण पर टिप्पणी से यादव समाज में उबाल, एफआईआर की मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बागेश्वर धाम के कथावाचक पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर यादव समाज में नाराजगी है। इसके विरोध में अखिल भारतवर्षीय युवा यादव महासभा जिला दमोह ने 14 नवंबर को पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कथावाचक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की।

महासभा की ओर से एसडीओपी तेंदूखेड़ा अर्चना अहीर एवं थाना प्रभारी को संबोधित आवेदन सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कथावाचक ने अपने प्रवचन के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में कथित रूप से निंदनीय एवं आपत्तिजनक



शब्दों का प्रयोग किया। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं और विशेष रूप से यादव समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

महासभा ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और लीलाओं पर आधारित है। ऐसे में उनके प्रति इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है। ज्ञापन में संबंधित बयान की वीडियो क्लिप का हवाला देते हुए निष्पक्ष जांच और उचित धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई।

इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रघुनाथ यादव, जिला अध्यक्ष ग्रामीण पवन यादव, जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव, नीलेश यादव, पूर्व सरपंच गणेश यादव, कृष्णा यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। महासभा ने धार्मिक भावनाओं के सम्मान और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील भी की।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हरदा जिला हरदा म.प्र.

जिला हरदा अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 मे एनिमिया स्कीनिंग हेतु Cuvette - Based Digital Hemoglobinmeter (DHB) Device के विकेन्द्रीकृत क्रय (Decentralized Procurement) किये जाने हेतु **निविदा आमंत्रण सूचना**

निविदा प्रक्रिया विवरण

1	निविदा का विवरण	वित्तीय वर्ष 2026-27 में एनिमिया स्क्रीनिंग हेतु Cuvette -Based Digital Hemoglobinmeter (DHB) Device के विकेन्द्रीकृत क्रय (Decentralized Procurement) किये जाने हेतु आमंत्रण सूचना।
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन हेतु उपलब्धता	निविदा जेम पोर्टल (https://gem.gov.in/) पर प्रदर्शित होगी।
3	ऑनलाईन निविदा जारी करने की दिनांक एवं समय	02/11/2026, 01:30:00 PM
4	ऑनलाईन निविदा सबमिट करने की दिनांक एवं समय	02/11/2026, 02:00:00 PM
5	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	21/11/2026, 17:30:00 PM
6	तकनीकी निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय	23/11/2026 13:30:00 PM
7	वित्तीय निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय	24/11/2026 15:30:00 PM

टिप्पणीः- अधोहस्ताक्षरकर्ता को निविदा परिवर्तन / निरस्त करने के सभी अधिकार रहेंगे।

G-21041/26 **मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला हरदा**

शहीद टीआई के परिवार के साथ खड़ी सरकार, डिप्टी सीएम ने घर पहुंचकर दिया न्याय का भरोसा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी फोन पर की परिजनों से चर्चा, परिवार ने रखीं तीन मांगें; स्कूल का नामकरण

धार। दोपहर मेट्रो

देवास जिले में शराब तस्करी रोकने के दौरान शहीद हुए खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी के पैतृक गांव बरमंडल में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पहुंचे। उन्होंने शहीद के निवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और पिता ओमप्रकाश पुरी सहित परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर सांत्वना दी।

इस दौरान परिजनों ने सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। इनमें बरमंडल के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नाम अमर शहीद दिलीप पुरी के नाम पर रखने और परिसर में प्रतिमा स्थापित करने, पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति देने तथा बच्चों की पूरी शिक्षा का खर्च सरकार द्वारा उठाने की मांग शामिल है।



उपमुख्यमंत्री ने सभी मांगों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा कर स्वीकृति दिलाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। वहीं मुख्यमंत्री ने भी फोन पर शहीद के पिता से चर्चा कर परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। मीडिया से चर्चा में देवड़ा ने कहा कि इस जघन्य वारदात में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। शराब तस्करी और घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल का नामकरण और प्रतिमा स्थापना की मांग

शहीद टीआई दिलीप पुरी के परिजनों ने बरमंडल स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नाम उनके नाम पर रखने और परिसर में उनकी प्रतिमा स्थापित करने की मांग की। परिवार ने बताया कि दिलीप पुरी ने इसी विद्यालय में दो वर्षों तक विद्यार्थियों को निशुल्क परेड प्रशिक्षण दिया था। उनके इस योगदान के लिए तत्कालीन प्राचार्य द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया था। परिजनों का कहना है कि विद्यालय का नामकरण और प्रतिमा स्थापना आने वाली पीढ़ियों को उनके साहस, अनुशासन और देशसेवा की प्रेरणा देगी। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इस मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने और स्वीकृति के लिए प्रयास करने का भरोसा दिया।

पत्नी को नौकरी और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाए सरकार

शहीद दिलीप पुरी के परिवार ने आर्थिक और पारिवारिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दो महत्वपूर्ण मांगें रखीं। पहली मांग उनकी पत्नी को शासकीय सेवा में अनुकंपा नियुक्ति देने की है, ताकि वे बच्चों का पालन-पोषण और देखभाल कर सकें। दूसरी मांग है कि शहीद के बच्चों की संपूर्ण पढ़ाई का खर्च राज्य सरकार उठाए और उनके भविष्य को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी निभाए। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने परिवार को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी फोन पर परिवार से बात कर हरसंभव मदद और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कर्ज में डूबी ग्वालियर की महिला ने आगरा से उड़ाए 25 लाख के गहने

ग्वालियर/आगरा। आगरा के सुल्तानपुरा बाजार में सर्राफ की दुकान से 15 लाख के जेवर चोरी करने वाली महिला ग्वालियर की निकली। पुलिस ने आरोपी शकीला को गिरफ्तार कर उसके घर से करीब 25 लाख के जेवरात बरामद किए हैं। 31 अक्टूबर को वह ग्राहक बनकर सर्राफ सौरभ अग्रवाल की दुकान पहुंची और मौका पाकर सोने की चूड़ियां लेकर फरार हो गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से उसके घर तक पहुंची। पूछताछ में महिला ने बताया कि बहू की बीमारी और इलाज में जमा पूंजी खर्च होने के बाद वह कर्ज में डूब गई थी। उसके नाती-नातिन की जिम्मेदारी भी उसी पर थी।

न्यूज विंडो

मिठाई कारोबारियों पर प्रशासन का शिकंजा कारखानों में अचानक पहुंची जांच टीम



सागर। आगामी त्योहारों में आम लोगों को शुद्ध और सुरक्षित मिठाइयां उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिष्ठान निर्माण कारखानों का औचक निरीक्षण कर विभिन्न मिठाइयों के नमूने संग्रहित किए। जांच दल ने राजस्थान स्वीट्स के निर्माण कारखाने में पहुंचकर मिल्क केक, केसर बर्फी और मूंग बर्फी के नमूने लिए। इसके बाद सिदगुवां स्थित मेसर्स भैया लाल जी ट्रेडिंग हाउस के मिष्ठान कारखाने का निरीक्षण कर मावा कतली का नमूना सील किया। संग्रहित सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मिठाई निर्माताओं और विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि खाद्य रंगों का उपयोग न्यूनतम करें तथा केवल एफएसएसएआई से स्वीकृत रंगों का निर्धारित मात्रा में ही इस्तेमाल करें। कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा और शीतल सिंह की टीम ने की।

एक यात्री बस का फिटनेस निरस्त, 11 यात्री बसों से 42 हजार का जुर्माना वसूला



सागर। त्योहारी सीजन में यात्रियों से अधिक किराया वसूली, ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी रोकने के लिए क्षेत्रीय परिवहन विभाग ने यात्री बसों की सघन चेकिंग की। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के निर्देश पर बहेरिया तिराहा और बम्होरी तिराहा पर की गई कार्रवाई के दौरान 16 यात्री वाहनों की जांच की गई। जांच में बस क्रमांक एमपी 22 पीटी 3375 में आपातकालीन द्वार और अलग-अलग दो दरवाजे नहीं पाए गए। इस गंभीर कमी पर मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 56(4) के तहत मौके पर ही बस का फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त कर दिया गया। फिटनेस निरस्त रहने की अवधि में वाहन का पंजीयन और परमिट भी निलंबित रहेगा। वहीं, 11 अन्य यात्री बसों में चालक का लाइसेंस नहीं होना, ओवरलोडिंग, दस्तावेजों की कमी, निर्धारित मानक का अग्निशमन यंत्र नहीं होना, एचएसआरपी नंबर प्लेट और रेडियम रिफ्लेक्टर टेप का अभाव तथा चालक का निर्धारित गणवेश में नहीं होना पाया गया। इन अनियमितताओं पर मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्रवाई कर कुल 42 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया।

जागरूकता शिविर में बच्चों को सिखाए गुड टच-बैड टच, किया जागरूक



उमरिया। आईपीएस इंटरनेशनल स्कूल मोहनपुरी में बुधवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा और सोशल मीडिया में सावधानी के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि न्यायाधीश मोहन डाबर ने बच्चों को मौलिक अधिकारों, बाल अधिकारों और बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया।शिविर में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच की पहचान करना सिखाया गया और किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ निडर होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में सचेत किया गया।आपात स्थिति में मदद के लिए चाइल्डलाइन 1098 और निःशुल्क कानूनी सहायता नंबरों की जानकारी भी दी गई। अंत में मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर वसीम खान ने अतिथियों का आभार जताया और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। इस दौरान शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

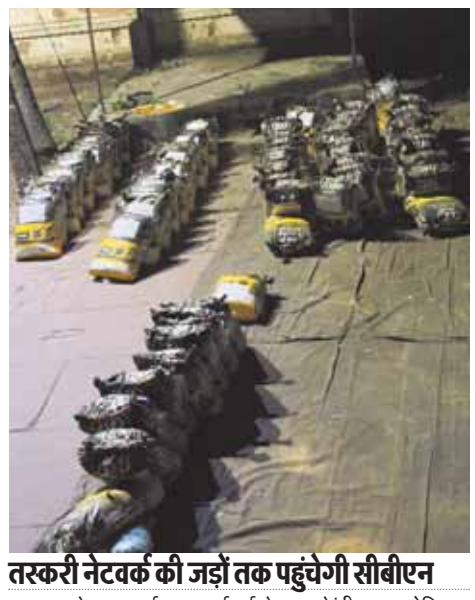
बदनावर के पास केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

ट्रक के गुप्त चैंबर से 595 किलो अफीम का भूसा पाउडर बरामद, दो गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए धार जिले के बदनावर के पास एक ट्रक से 595.420 किलोग्राम अफीम के भूसे का पाउडर जब्त किया है। तस्करों ने पुलिस और जांच एजेंसियों को चकमा देने के लिए ट्रक के फर्श में विशेष रूप से गुप्त चैंबर बना रखा था। इसी में प्रतिबंधित मादक पदार्थ छिपाकर ले जाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान ट्रक में सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सीबीएन की मध्य प्रदेश इकाई के अनुसार, अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन के जरिए बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही सीबीएन की संयुक्त टीम ने संबंधित मार्ग पर निगरानी शुरू की। इसी दौरान बदनावर के पास पंजाब नंबर के एक टाटा ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। शुरुआती जांच में सब कुछ सामान्य नजर आया, लेकिन गहन तलाशी के दौरान ट्रक के फर्श में बनाया गया गुप्त चैंबर सामने आया। इसे खोलने पर अंदर छिपाकर रखे गए 60 प्लास्टिक बैग मिले। इन बैगों में कुल 595.420 किलोग्राम अफीम के भूसे का पाउडर भरा हुआ था। सीबीएन ने मादक पदार्थ के साथ ट्रक भी जब्त कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अब एजेंसी जब्त खेप के स्रोत, तस्करी के रास्ते और इसके वितरण से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।



तस्करी नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचेगी सीबीएन

बदनावर के पास हुई इस कार्रवाई के बाद केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच तेज कर दी है। फिलहाल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर ट्रक और मादक पदार्थ जब्त किया गया है। एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि अफीम के भूसे का पाउडर कहां से लाया गया था और इसे किस स्थान तक पहुंचाया जाना था। इसके साथ ही खेप के पीछे सक्रिय तस्करों, आपूर्तिकर्ताओं और वितरण नेटवर्क की भूमिका की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है।

फर्श के नीचे बनाया था तस्करी का गुप्त ठिकाना

तस्करों ने मादक पदार्थ को जांच एजेंसियों की नजरों से बचाने के लिए ट्रक में खास इंतजाम किया था। पंजाब में पंजीकृत टाटा ट्रक के सामान्य फर्श के नीचे विशेष रूप से एक गुप्त चैंबर तैयार किया गया था। इसी छिपे हुए हिस्से में अफीम के भूसे का पाउडर भरे 60 प्लास्टिक बैग रखे गए थे। बाहर से देखने पर ट्रक सामान्य मालवाहक वाहन जैसा दिखाई देता था। सीबीएन की टीम ने जब वाहन की बारीकी से तलाशी ली, तब इस गुप्त चैंबर का खुलासा हुआ। इसके बाद एक-एक कर सभी बैग बाहर निकाले गए। जांच में इनका कुल वजन 595.420 किलोग्राम पाया गया। इस तरह तस्करी का पूरा माल बरामद हो गया।

इंदौर में 5 लोगों से निवेश के नाम पर ठगी

हवन कराने वाले पंडित को जजमान ने लगाया 60 लाख रुपए का चूना

इंदौर। दूसरों की ग्रहदशा सुधारने के लिए पूजा-पाठ और अनुष्ठान कराने वाले एक पंडित खुद ठगी का शिकार हो गए। उनके ही जजमान ने शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करीब 60 लाख रुपये की चपत लगा दी। फरियादी राजेश शास्त्री मंगलवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे और नितिन तथा पारागीता नाम के लोगों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

राजेश के अनुसार, करीब पांच महीने पहले नितिन ने उन्हें घर बुलाकर पूजा और वास्तु दोष दूर करने का अनुष्ठान करवाया था। इसी दौरान उसने शेयर बाजार में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाने का प्रलोभन दिया। आरोप है कि दोनों ने राजेश सहित पांच अन्य लोगों से करीब 60 लाख रुपये निवेश करवाए और बाद में गायब हो गए। रकम वापस नहीं मिलने पर पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत की।

इसी बीच संयोगितागंज पुलिस ने फर्जी एडवाइजरी फर्म के जरिए 37 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आशीष चौधरी को गिरफ्तार किया है। मुंबई निवासी आरोपी निवेशकों को 15 प्रतिशत रिटर्न का लालच देकर म्यूल खातों में रकम जमा करवाता था। टीआई नीरज मेढ़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर एक्सपर्ट की मदद से उसे पकड़ा।

वहीं, खुड़ैल थाना क्षेत्र में महिला सरपंच रचना गोखले ने परिचित सतीश गोखले के खिलाफ अभद्रता और धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई है। बताया गया कि आरोपी का रचना के भाई संजू से विवाद हुआ था।

अमरकंटक में पर्यटकों की सुरक्षा से मां नर्मदा की स्वच्छता तक सवाल

एनजीटी के 300 मीटर के नियमों के पालन में दोहरे मापदंड के आरोप

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

देश के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल अमरकंटक में व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मां नर्मदा के उद्गम स्थल की पहचान रखने वाले इस पवित्र क्षेत्र में पर्यटकों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सीवर व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे में अमरकंटक विकास प्राधिकरण और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

सबसे गंभीर मामला पर्यटकों की सुरक्षा का है। पर्याप्त पर्यटक पुलिस व्यवस्था नहीं होने के बीच पिछले वर्ष एक अबोध बालिका के साथ हुई घटना और हाल के महीनों में महिला से लूट एवं मारपीट की घटना ने सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलने के आरोपों को हवा दी है। श्रद्धालुओं की भीड़ वाले संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त और निगरानी की जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 300 मीटर के दायरे से जुड़े नियमों के पालन में कथित दोहरे मापदंड का आरोप भी लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि कार्रवाई गरीबों और झुग्गी बस्तियों तक ही सीमित क्यों दिखाई देती है, जबकि बड़े निर्माणों पर कार्रवाई स्पष्ट नहीं है। सीवर व्यवस्था को लेकर भी चिंता है।

आरोप हैं कि गंदा पानी आज भी मां नर्मदा में पहुंच रहा है। दूसरी ओर, बदहाल सड़कें पर्यटकों और श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ा रही हैं। नर्मदा परिक्रमा करने वालों और चातुर्मास करने वाले संतों के लिए पेयजल, शौचालय और विश्राम स्थलों की उपलब्धता भी सवालों के घेरे में है।

अमरकंटक की धार्मिक और प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए अब केवल योजनाओं और दावों से काम नहीं चलेगा। पर्यटकों की सुरक्षा, नदी की स्वच्छता, नियमों का निष्पक्ष पालन और बुनियादी सुविधाओं के लिए संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करना जरूरी हो गया है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने में लापरवाही पड़ी भारी धार के चार बीएलओ को कलेक्टर का नोटिस

धार। दोपहर मेट्रो

मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतना धार विधानसभा क्षेत्र के चार बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को भारी पड़ गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव रंजन मीना ने चारों बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नोटिस पाने वालों में मतदान केंद्र क्रमांक 59 के जितेंद्र ठाकुर, केंद्र क्रमांक 171 के बलवंत यादव, केंद्र क्रमांक 108 की भावना वर्मा और केंद्र क्रमांक 114 के अजय मंडलोई शामिल हैं। ये सभी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 201-धार में बीएलओ के रूप में पदस्थ हैं। दरअसल, निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के तहत पहली बार मतदाता बनने वाले पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए बीएलओ को अपने मतदान केंद्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में भ्रमण कर पात्र युवाओं की पहचान करने, उनसे संपर्क करने और आवश्यक दस्तावेज लेकर बीएलओ एप के माध्यम से पंजीयन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए थे।



निर्वाचन संबंधी कार्यों की समीक्षा में सामने आया कि चारों बीएलओ ने न तो निर्धारित समय में बीएलओ एप पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू की और न ही अपने क्षेत्रों में पहुंचकर पात्र युवाओं से संपर्क किया। इस संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय की ओर से कई बार फोन और नोटिस के माध्यम से निर्देश भी दिए गए, लेकिन इसके बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। निर्वाचन कार्य में गंभीर लापरवाही और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना मानते हुए कलेक्टर ने कार्रवाई की पहल की है। नोटिस में मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम, 1966 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सभी संबंधित बीएलओ को दो दिन के भीतर उपस्थित होकर लिखित जवाब देना होगा। जवाब नहीं देने या स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर | अनूपपुर, शहडोल और उमरिया में अधीक्षकों के स्थानांतरण को लेकर चिंता

तबादलों की फाइलों में न उलझे आदिवासी बच्चों का भविष्य, व्यवस्था पर उठे सवाल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

आदिवासी बहुल जिलों अनूपपुर, शहडोल और उमरिया के छात्रावासों, आश्रम शालाओं एवं आवासीय विद्यालयों में अधीक्षकों के स्थानांतरण को लेकर विद्यार्थियों के हितों पर चर्चा तेज हो गई है। प्रशासनिक जरूरत के अनुसार तबादले शासन की सामान्य प्रक्रिया हैं, लेकिन इनके बीच आदिवासी बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और मानसिक स्थिति प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त कार्यालय भोपाल ने 30 सितंबर 2026 को जारी आदेश में अधीक्षकों के कार्यकाल और स्थानांतरण संबंधी दिशा-निर्देश दिए हैं। इसमें एक ही संस्था में सात वर्ष से अधिक समय से पदस्थ अधीक्षकों के स्थानांतरण तथा ई-ट्राइबल पोर्टल के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया का उल्लेख है। हालांकि, छात्रावासों में रहने वाले बच्चों के लिए अधीक्षक केवल प्रशासनिक अधिकारी नहीं, बल्कि उनकी दिनचर्या, अनुशासन, सुरक्षा और देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। ऐसे में अचानक बदलाव से बच्चों को नए वातावरण और कार्यशैली के साथ सामंजस्य बैठाने में परेशानी हो सकती है। विशेषकर छोटी उम्र के बच्चों और बालिकाओं के मामले में यह संवेदनशील विषय है। इसलिए स्थानांतरण प्रक्रिया में प्रशासनिक जरूरतों के साथ विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक और शैक्षणिक हितों को भी प्राथमिकता देना जरूरी है।



अधीक्षक और बच्चों के बीच भरोसे का रिश्ता भी महत्वपूर्ण

छात्रावासों और आश्रम शालाओं में रहने वाले बच्चों का अधीक्षक के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी बन जाता है। अधीक्षक उनकी दिनचर्या, खानपान, पढ़ाई, अनुशासन और व्यक्तिगत समस्याओं से परिचित होता है। लंबे समय तक एक ही संस्था में रहने से बच्चों और अधीक्षक के बीच भरोसे का रिश्ता विकसित होता है। ऐसे में अचानक अधीक्षक बदलने से बच्चों को नए व्यक्ति के साथ सहज होने में समय लग सकता है। खासकर कम उम्र के बच्चों और बालिकाओं के लिए यह बदलाव संवेदनशील हो सकता है। नए अधीक्षक को भी बच्चों की जरूरतों, स्वभाव और समस्याओं को समझने में समय लगेगा। इसलिए स्थानांतरण के दौरान इस मानवीय पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

तबादले के साथ व्यवस्था की निरंतरता भी जरूरी

अनूपपुर, शहडोल और उमरिया के आदिवासी अंचलों में छात्रावास और आश्रम शालाएं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों बच्चों की शिक्षा का आधार हैं। यहां अधीक्षक की जिम्मेदारी केवल कार्यालयीन कामकाज तक सीमित नहीं रहती, बल्कि बच्चों की सुरक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, अनुशासन और शैक्षणिक माहौल भी उनके दायित्वों में शामिल हैं। ऐसे में अधीक्षक का स्थानांतरण करते समय यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि संस्थान की व्यवस्थाएं बाधित न हों। नए अधीक्षक को बच्चों और संस्थान की जिम्मेदारियों से परिचित कराने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। जिला प्रशासन और जनजातीय कार्य विभाग को तबादलों के साथ विद्यार्थियों के हितों और संस्थानों की निरंतरता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

फेडरर की बराबरी से दो कदम दूर

तीन घंटे के संघर्ष के बाद जीते नोवाक जोकोविच 103वें खिताब पर नजर

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स में शानदार वापसी करते हुए पहले दौर का मुकाबला जीत लिया। सात बार के चैंपियन जोकोविच को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24



ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके जोकोविच ने खराब शुरुआत के बावजूद वैलेंटीन वैचेरोट को 6-7 (5), 7-5, 6-1 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी चुनौती बरकरार रखी। जोकोविच अब अपने करियर का 103वां खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यदि वह यह उपलब्धि हासिल करते हैं तो सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के 103 खिताबों की बराबरी कर लेंगे। इस सूची में अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी जिमी कॉनर्स 109 खिताब के साथ शीर्ष पर हैं। ऐसे में जोकोविच के पास एक बार फिर टेनिस इतिहास में अपनी उपलब्धियों का नया अध्याय जोड़ने का मौका है।

जापान ओपन और हाइलो ओपन का खिताब जीतकर शानदार फॉर्म में लौटीं भारतीय स्टार

पीवी का धमाका! BWF वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी ताकत साबित कर दी है। सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है। खास बात यह है कि सिंधु ने इसी टूर्नामेंट को अपना लक्ष्य बनाकर कुछ प्रतियोगिताओं से दूरी बनाई और फिटनेस को प्राथमिकता दी।

पीवी सिंधु के लिए मौजूदा सीजन काफी शानदार रहा है। उन्होंने जापान ओपन सुपर 750 और जर्मनी में आयोजित हाइलो ओपन का खिताब अपने नाम किया। 2022 के बाद यह पहला सीजन है, जब उन्होंने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीते हैं। इससे पहले सिंधु ने फ्रेंच ओपन के फाइनल तक भी सफर तय किया था, जहां उन्हें दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक 2024 की चैंपियन दक्षिण कोरिया की एन से-यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।



लगातार टूर्नामेंट खेलने के बजाय फिटनेस को दी प्राथमिकता

हाइलो ओपन का खिताब जीतने के बाद सिंधु ने कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में सभी टूर्नामेंट खेलने की योजना थी, लेकिन लगातार लंबे दौरे के बाद शरीर को आराम देना जरूरी हो गया था। बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित मीडिया बातचीत में सिंधु ने कहा कि उनके लिए अपने शरीर की जरूरतों को समझना और अगले बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होना बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा, मैं अब जवान नहीं रही, लेकिन मैंने यह भी कहा है कि 31 अब नया 21 है। इसलिए मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना होगा। सिंधु के इस बयान ने उनकी फिटनेस और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

नए स्कोरिंग सिस्टम को लेकर क्या बोलीं सिंधु?

बैडमिंटन में 4 जनवरी 2027 से नया 3म15 स्कोरिंग सिस्टम लागू होने वाला है। इस बदलाव को लेकर सिंधु ने कहा कि खिलाड़ियों को शुरुआत से ही ज्यादा सतर्क रहना होगा। 21 अंकों के मौजूदा प्रारूप की तुलना में 15 अंकों का गेम खिलाड़ियों के लिए अलग चुनौती पेश करेगा। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों से खिलाड़ी 21 अंकों के प्रारूप में खेलते आए हैं, इसलिए नए सिस्टम के लिए अलग तरह का अभ्यास जरूरी है। सिंधु के मुताबिक, नए प्रारूप में शुरुआत से ही हर अंक महत्वपूर्ण होगा और खिलाड़ियों को आसान अंक गंवाने से बचना होगा। जापान और जर्मनी में मिली सफलता के बाद सिंधु का आत्मविश्वास बढ़ा है। अब उनका पूरा ध्यान बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में बेहतर प्रदर्शन करने पर होगा। अनुभव, फिटनेस और हालिया फॉर्म के दम पर भारतीय प्रशंसकों को उनसे एक और शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

वनडे सीरीज: ऑकलैंड में किंग कोहली ने रचा इतिहास

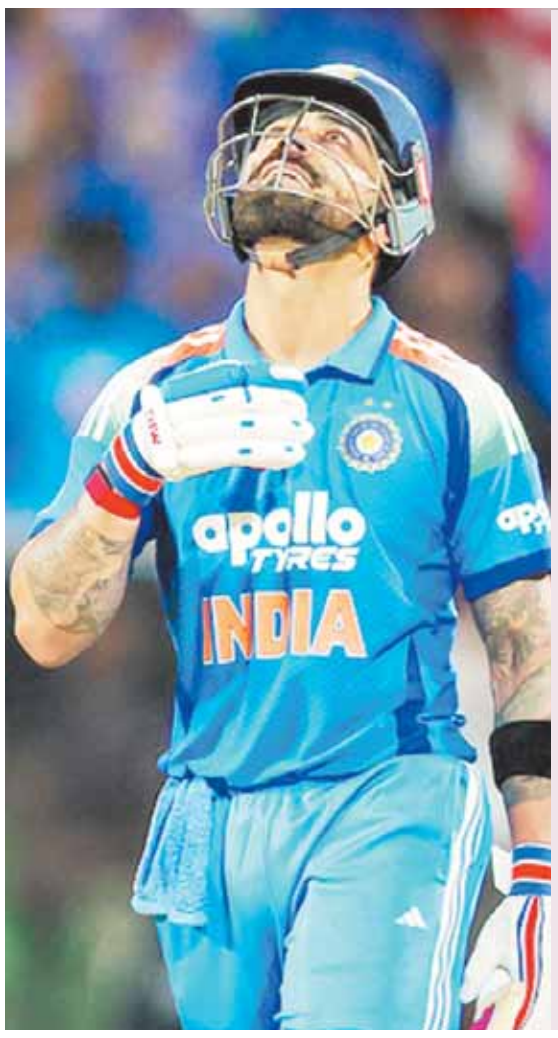
सचिन को छोड़ा पीछे, नंबर-3 पर 13 हजार रन बनाने वाले बने दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

ऑकलैंड , एजेंसी

ऑकलैंड। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली का बल्ला एक बार फिर जमकर बोला। न्यूजीलैंड के खिलाफ ईडन पार्क में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में कोहली ने 74 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी इस पारी ने न सिर्फ टीम इंडिया को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाई, बल्कि रिकॉर्ड बुक में भी नया इतिहास दर्ज करा दिया। कोहली ने इस मुकाबले में तीन बड़े कीर्तिमान अपने नाम किए और एक अन्य रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली।

विराट कोहली ने वनडे क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 13 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने इस मुकाम को हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में उन्हें इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ 12 रनों की जरूरत थी। इस उपलब्धि के साथ कोहली ने अपनी बादशाहत एक बार फिर साबित कर दी। उनके नाम अब वनडे में नंबर-3 पर 251 पारियों में 13,062 रन दर्ज हैं। वहीं, उनके कुल वनडे रन 15,183 हो गए हैं।

कोहली ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ 74 रन बनाने के बाद उनके नाम रनचेज में 8,741 रन हो गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने 8,720 रन बनाए थे। खास बात यह है कि रनचेज में कोहली का औसत 66.21 और स्ट्राइक रेट 95.03 है, जो उनकी निरंतरता और मैच जिताने की क्षमता को दर्शाता है।



न्यूजीलैंड के खिलाफ पोंटिंग की बराबरी

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है। दोनों बल्लेबाजों के नाम अब 1,971-1,971 रन दर्ज हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 1,750 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा कोहली ने अपने वनडे करियर का 80वां अर्धशतक भी पूरा किया।

गेंदबाजों ने भी कीवी बल्लेबाजों को किया बेहाल

मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह ने चार विकेट झटके, जबकि गुरनूर बरार ने तीन और अंशुल कंबोज ने दो विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। जवाब में बारिश के कारण भारत को डीएलएस नियम के तहत 32 ओवर में 143 रनों का लक्ष्य मिला। शुभमन गिल ने 37 और विराट कोहली ने 74 रन बनाए। भारत ने 22.4 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अब दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। भारतीय प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि कोहली अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए एक बार फिर रिकॉर्ड और जीत का नया अध्याय लिखेंगे।

आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स का बड़ा दांव!

13 करोड़ वाले लियाम पर सीएसके की नजर, हार्दिक के ट्रेड से भी मचेगी हलचल

ऑकलैंड , एजेंसी

आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली यानी ट्रेड को लेकर फ्रेंचाइजियों के बीच हलचल तेज हो गई है। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के संभावित ट्रेड की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स ने भी अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की नजर सनराइजर्स हैदराबादके इंग्लैंड के विस्फोटक ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। हालांकि, हैदराबाद की ओर से अभी इस संभावित सौदे पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स लिविंगस्टोन को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। पूरे सीजन में उन्हें सिर्फ दो मुकाबले खेलने का मौका मिला, जिसमें वह 15 रन ही बना सके। खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें आगे प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। लिविंगस्टोन ने 2019 में राजस्थान रॉयल्स से आईपीएल करियर शुरू किया था। इसके बाद वह पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा भी रह चुके हैं।



अर्शदीप- विष्णु की भी हो सकती है अदला-बदली

संभावित ट्रेड में अर्शदीप सिंह और विकेटकीपर बल्लेबाज विष्णु विनोद के नाम भी सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हार्दिक के पंजाब जाने की स्थिति में ये दोनों खिलाड़ी मुंबई इंडियंस का हिस्सा बन सकते हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक के बदले यशस्वी जायसवाल और रवि बिश्नोई के नामों पर चर्चा की बात भी सामने आई थी। हालांकि, इस प्रस्ताव पर खास प्रगति नहीं हुई। चेन्नई सुपर किंग्स ने शुरुआत में हार्दिक पांड्या को लेकर भी दिलचस्पी दिखाई थी, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। अब लियाम लिविंगस्टोन पर उसकी नजरें टिकने की खबर से आईपीएल ट्रेड बाजार में नई चर्चा शुरू हो गई है।

हार्दिक पांड्या के लिए पंजाब किंग्स ने बढ़ाया हाथ!

दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के ट्रेड को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने की दौड़ में पंजाब किंग्स सबसे आगे बताई जा रही है। इसके अलावा कोलकाता नाइटराइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी दिलचस्पी दिखाई है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पंजाब और मुंबई के शीर्ष प्रबंधन के बीच मौखिक बातचीत हुई है। यदि सहमति बनती है तो औपचारिक कागजी कार्रवाई और आईपीएल अधिकारियों की मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

नागार्जुन की 100वीं फिल्म में तब्बू की धमाकेदार एंट्री

'महानती झांसी रानी' के लुक ने मचाई हलचल; शाही अंदाज में दिखीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री तब्बू एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सुपरस्टार नागार्जुन की बहुप्रतीक्षित 100वीं फिल्म किंग 100 के मेकर्स ने इस खास मौके पर अभिनेत्री का पहला लुक पोस्टर और स्पेशल वीडियो जारी किया है। फिल्म में तब्बू महानती झांसी रानी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। उनका शाही अंदाज और प्रभावशाली व्यक्तित्व फर्स्ट लुक में साफ दिखाई दे रहा है।

मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तब्बू का पोस्टर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पोस्टर के साथ जारी वीडियो में उनके किरदार का एक प्रभावशाली संवाद सुनाई देता है। इसमें वह कहती नजर आती हैं कि दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक वे, जो मेहनत पर भरोसा करते हैं और दूसरे वे, जो किस्मत के भरोसे रहते हैं। झांसी रानी को किस्मत पर भरोसा करने वाले लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। फिल्म की पहली झलक से संकेत मिलता है कि तब्बू का किरदार एक प्रभावशाली शाही परिवार से जुड़ा है, जिसका राजनीति में भी दखल है। उनके किरदार में रौब, ताकत और गंभीरता का अनोखा मेल देखने को मिल सकता है।



24 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

नागार्जुन के जन्मदिन के अवसर पर अगस्त में फिल्म के टाइटल किंग 100 का ऐलान किया गया था। उसी दौरान मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक साझा करते हुए इसकी रिलीज डेट 24 दिसंबर घोषित की थी। अब तब्बू के फर्स्ट लुक ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। आर. ए. कार्तिक के निर्देशन में बन रही इस हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी और तब्बू के अलावा ऐश्वर्या राजेश और सुष्मिता भट भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी एक ऐसे गरीब व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मेहनत और संघर्ष के दम पर बड़ा बिजनेस टाइकून बन जाता है।

नागार्जुन के करियर की है खास फिल्म

किंग 100 नागार्जुन के फिल्मी करियर की 100वीं फिल्म है, इसलिए इसे उनके लिए बेहद खास प्रोजेक्ट माना जा रहा है। फिल्म का निर्माण उनके अपने प्रोडक्शन हाउस अन्नपूर्णा स्टूडियोज के बैनर तले किया जा रहा है। इसे तेलुगु, तमिल और हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज करने की तैयारी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि नागार्जुन और तब्बू की यह जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों को कितना प्रभावित करती है।

कपूर परिवार में क्यों नहीं होती बेटों के काम की तारीफ? रणबीर ने बताई पीढ़ियों पुरानी परंपरा

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने कपूर परिवार की एक ऐसी परंपरा के बारे में बात की, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि इस परिवार में पिता अपने बेटों के काम की खुलकर तारीफ करने से बचते रहे हैं। इसके पीछे वजह बेटों को लगातार बेहतर करने और अपने काम के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करना रही है। रणबीर ने अपने दादा राज कपूर और परदादा पृथ्वीराज कपूर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। रणबीर ने यह किस्सा मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में बातचीत के दौरान साझा किया।

रणबीर के कहा, मैंने यह कहानी राज कपूर की किताब में पढ़ी थी। एक बार राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर से पूछा था कि जब उनका बेटा आज इतना बड़ा स्टार बन चुका है और फिल्मों में इतना अच्छा काम कर रहा है, तो वे कभी उनकी तारीफ क्यों नहीं करते? यहां तक कि कभी पीठ थपथपाकर शाबाशी भी नहीं देते। रणबीर ने आगे बताया, इस सवाल के जवाब में पृथ्वीराज कपूर ने राज कपूर को एक छोटे बच्चे की कहानी सुनाई थी। उन्होंने कहा कि एक छोटा लड़का सड़क किनारे रस्सी पर संतुलन बनाकर करतब दिखाता था। उसका प्रदर्शन देखने के लिए रोज बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते थे। लोग तालियां बजाते, उसे पैसे देते और उसकी जमकर तारीफ करते थे। हर बार करतब खत्म होने के बाद वह बच्चा अपने पिता के पास जाता और उनसे पूछता कि उसका प्रदर्शन कैसा रहा। लेकिन पिता हर बार उसे एक ही जवाब देते थे- कसर रह गई। लोगों से इतनी तारीफ मिलने के बावजूद पिता उसे यही समझाते कि उसके प्रदर्शन में अभी सुधार की गुंजाइश बाकी है।





मेट्रो बाजार

कैनवा लागत घटाने के लिए करेगी 22% कमियों की छंटनी

नई दिल्ली । ग्राफिक डिजाइन प्लेटफॉर्म कैनवा ने दीर्घकालिक विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर संगठनात्मक पुनर्गठन की घोषणा की है। कंपनी लगभग 1,271 कर्मचारियों की छंटनी करेगी, जो उसकी कुल कार्यबल का करीब 22 प्रतिशत है। कंपनी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक मेलानी पर्किन्स ने कर्मचारियों को भेजे गए एक संदेश में इस फैसले को कैनवा के 13 वर्षीय इतिहास का सबसे कठिन निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि कई महीनों तक विचार-विमर्श करने के बाद कंपनी ने अपनी संगठनात्मक संरचना, कार्यस्थल व्यवस्था और भविष्य में आवश्यक कौशलों को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव करने का फैसला लिया है।

पुनर्गठन के तहत दुनियाभर में 1,271 कर्मचारी प्रभावित होंगे, जिनमें कुछ कर्मचारियों की भूमिकाओं में बदलाव किया जाएगा, कुछ को केंद्रीकृत हब्स में स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि कई पद पूरी तरह समाप्त कर दिए जाएंगे। कंपनी का कहना है कि कुछ टीमों का एकीकरण किया जाएगा और कुछ टीमों को व्यापक जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि संगठनात्मक जटिलता को कम किया जा सके। मेलानी पर्किन्स ने कहा कि एक दशक में पहली बार कैनवा की विकास दर धीमी हुई है। साथ ही तकनीक में तेजी से हो रहे बदलाव ग्राहकों की अपेक्षाओं और उत्पाद विकास की दिशा को भी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल छोटे-छोटे बदलाव अब पर्याप्त नहीं होंगे और कंपनी को अधिक चुस्त, सक्षम और सशक्त छोटी टीमों के आधार पर खुद को फिर से स्थापित करना होगा।

ग्रीन एनर्जी में भारत की दुनिया में धाक! 300 GW के पार पहुंची क्षमता, 2030 तक 530का लक्ष्य

नई दिल्ली। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत तेजी से वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। सौर और पवन ऊर्जा के विस्तार ने न केवल देश की बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाया है, बल्कि आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले एक दशक में करीब चार गुना बढ़ चुकी है और 2026 में 300 गीगावाट का आंकड़ा पार कर गई है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट में जारी इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी मार्केट रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे तेजी से बढ़ता नवीकरणीय ऊर्जा बाजार बन गया है। इसके साथ ही देश सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल निर्माण के मामले में भी दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने 2025 में अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले हासिल कर लिया।



स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी फायदेमंद साबित हुआ है। आईईए के अनुसार, 2011 से 2025 के बीच नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन के कारण भारत ने कोयले और प्राकृतिक गैस के आयात पर 100 अरब डॉलर से अधिक की बचत की है। रिपोर्ट का अनुमान है कि अगर 2010 के बाद सौर, पवन और जैव ऊर्जा क्षमता का विस्तार नहीं हुआ होता, तो 2025 में भारत को करीब 11 करोड़ टन अतिरिक्त कोयले का आयात करना पड़ता। इससे स्पष्ट है कि स्वच्छ ऊर्जा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।

1100 फैक्ट्रियों में बनते है देश के 90% पटाखे, सालभर चलता है काम





शिवकाशी। शिवकाशी ने इस बार दिवाली पर नया रिकॉर्ड बनाया है। तमिलनाडु का यह छोटा सा शहर, जिसे अक्सर 'लिटिल जापान' कहा जाता है, हर साल देशभर में दीपावली की रौनक का केंद्र बन जाता है। इस बार शिक्काशी और आसपास के इलाकों के पटाखा निर्माताओं ने लगभग 5,000 करोड़ रु. की बिक्री दर्ज की है। तमिलनाडु फायरवर्क्स एंड एमोर्सेस मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष और सोनी फायरवर्क्स के मालिक पी गणेशन ने बताया कि इस बार नई किस्म के पटाखों को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने बताया, 'कच्चे माल की कीमत बढ़ने के कारण पटाखों के दाम भी बढ़ाए गए है। हम सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार केवल ग्रीन पटाखे बनाते हैं।इस साल शिवकाशी के निर्माताओं ने बच्चों के लिए खास तौर पर कई रंगीन और मजेदार थीम वाले पटाखे बनाए। इनमें बंदर, तोता और हाथी जैसी आकृतियों वाले पटाखे शामिल हैं, जो जलने पर कई रंगों की रोशनी बिखेरते हैं। 'स्माइल एलिफेंट', 'ड्रैगन वंडर' और 'ललिका जैसे नाम वाले उत्पाद दुकानदारों और परिवारों में खूब लोकप्रिय हो रहे हैं। शिवकाशी का पटाखा उद्योग इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है- करीब 1,100 फैक्ट्रियां यहां काम करती हैं और लगभग 8 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। इनमें 60% महिलाएं हैं। यहां सालभर काम चलता रहता है। यह दीपावली न केवल रोशनी और उत्सव का प्रतीक बनी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की भावना का भी सुंदर उदाहरण साबित हुई। शिवकाशी के पटाखों के लिए जीआई टैग की मांग की गई है। यह कदम उद्योग की विरासत सुरक्षा, पहचान और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से है। इसके लिए आवेदन किया जा चुका है। जीआई टैग से शिक्काशी के पटाखों की अंतरराष्ट्रीय पहचान और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

न्यूज विंडो

चार की मौत के बाद एनएचएआई पीडब्ल्यूडी पर मुकदमा दर्ज किया



देहरादून। देहरादून मोहब्बेवाला में चार लोगों की जान लेने वाले सड़क हादसे के बाद पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की तहरीर में सड़क निर्माण और यातायात सुरक्षा से जुड़े इंतजामों में गंभीर खामियां उजागर की गई हैं। आरोप है कि बार-बार चेतावनी देने और पत्राचार करने के बावजूद संबंधित कार्यदायी संस्थाओं ने हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पुलिस ने चार नवंबर की रात पटेलनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मोहब्बेवाला में एक कार और कंटेनर के बीच भीषण टक्कर हुई थी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कार में मौजूद छह वर्षीय बच्चे को पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया था। हादसे के बाद सड़क की खामियों और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठे थे।

नामिका ला दर्रे के पास खाई में गिरा सेना का वाहन, दो जवान बलिदान



लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में राष्ट्रीय राजमार्ग-01 पर नामिका ला दर्रे के पास बुधवार, 4 नवंबर को सेना का एक भारी वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में वाहन चालक और सह-चालक सहित भारतीय सेना के दो जवान बलिदान हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जिला पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान चलाया। गहरी खाई से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों जवानों के शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), चिकतान पहुंचाया गया।

नौसिखिए ड्राइवर ने पांच लोगों को कुचला, सब्जी विक्रेता की मौत

लुधियाना। लुधियाना के थाना डिवीजन नंबर-3 के अंतर्गत आने वाले ईस्सा नगरी पुली इलाके में गुरुवार सुबह रफ्तार और लापरवाही का चेहरा देखने को मिला। सुबह करीब सवा आठ बजे व्यस्त सड़क पर एक बेलगाम कार ने कहर बरपाते हुए राहगीरों और दुकानदारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में स्कूटी सवार एक बुजुर्ग सब्जी विक्रेता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद से इलाके में मातम और भारी आक्रोश का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार को एक नौसिखिया युवक चला रहा था जो ड्राइविंग सीख रहा था। व्यस्त बाजार और भारी भीड़भाड़ को देखकर वह बुरी तरह घबरा गया, जिससे उसका गाड़ी पर से नियंत्रण छूट गया। बेकाबू हुई कार ने एक के बाद एक कई लोगों को टक्कर मार दी।

पेंटागन के टेक्नोलॉजी चीफ एमिल माइकल ने स्वीकार किया कि अमेरिका आधुनिक ड्रोन युद्ध के लिए तैयार नहीं था

'ड्रोन के मामले में अमेरिका से काफी आगे यूक्रेन, रूस युद्ध ने खोल दी हमारी आंखें'

वॉशिंगटन। एजेंसी

पेंटागन के टेक्नोलॉजी चीफ एमिल माइकल ने कहा है कि अमेरिका आधुनिक ड्रोन युद्ध के उभार के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि यूक्रेन को युद्ध के मैदान में अपनी जरूरत की कुछ तकनीकें खुद विकसित करनी पड़ीं, क्योंकि अमेरिका उन्हें उपलब्ध नहीं करा सका। वॉल स्ट्रीट जनर्ल टेक कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए माइकल ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष ने अमेरिका की सैन्य तैयारियों में बड़ी कमियों को उजागर कर दिया है, जिसके बाद देश की ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी आई है।



युद्धक्षेत्रों का अध्ययन कर रहा है पेंटागन

माइकल ने बताया कि रक्षा विभाग के प्रोजेक्ट मेरिडियन को यह जांचने का काम सौंपा गया है कि भविष्य में युद्ध किस तरह के हो सकते हैं, जिसमें जमीन के नीचे और अंतरिक्ष में होने वाले संभावित संघर्ष भी शामिल हैं। इस पहल में स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी एलन मस्क शामिल हैं।

'हम पूरी तरह से तैयार नहीं थे'

कैलिफोर्निया के नापा में एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए माइकल ने कहा कि पेंटागन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन कितने अहम हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन और रूस के बीच ड्रोन युद्ध ने हमें पूरी तरह से चौंका दिया।' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था क्योंकि उसने कभी ऐसा सोचा ही नहीं था। उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग अब भविष्य के संघर्षों की तैयारी पर ध्यान दे रहा है और यह समझने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध का स्वरूप कैसे बदल सकता है। माइकल ने माना कि हालांकि अमेरिका ने रूस के साथ युद्ध के दौरान यूक्रेन को काफी मदद दी, लेकिन यूक्रेनी सेना को अक्सर युद्ध के मैदान में खुद ही अपने समाधान खोजने पड़े। उन्होंने कहा, 'हमने यूक्रेन की बहुत मदद की, लेकिन उन्हें जिस चीज की जरूरत थी उसे उन्होंने खुद ही ईजाद कर लिया क्योंकि हमारे पास वह मौजूद नहीं थी।'

भंडार में बढ़ोतरी लेकिन यूक्रेन बहुत आगे

माइकल ने बताया कि पिछली अमेरिकी सरकार के कार्यकाल में लगभग 1,000 ड्रोन बनाए गए थे, जबकि अब उनके पास करीब 500,000 ड्रोन का भंडार है। यह संख्या उस 80 से 100 लाख (8 से 10 मिलियन) ड्रोन के मुकाबले बहुत कम है, जिन्हें यूक्रेन इस साल बनाने का अनुमान लगा रहा है। रूस के साथ यूक्रेन का युद्ध अब अपने पांचवें साल में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा हमने यूक्रेन की बहुत मदद की, लेकिन उन्हें जिस चीज की जरूरत थी उसे उन्होंने खुद ही ईजाद कर लिया क्योंकि हमारे पास वह मौजूद नहीं थी।

राहुल गांधी का गोकुल डेयरी चुनाव में वोट-चोरी का आरोप, कहा-

बीजेपी ने बहुमत पाने के लिए चुनाव के बाद नियम बदले

नई दिल्ली। एजेंसी

राहुल गांधी ने आज महाराष्ट्र के कोल्हापुर के गोकुल दूध सहकारी चुनाव को लेकर बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित पैनल की जीत के बाद बीजेपी ने बोर्ड में बहुमत बदलने के लिए नियम बदले। राहुल ने इसे दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी बताया। 19 अक्टूबर को हुए चुनाव में कांग्रेस समर्थित पैनल ने 25 में से 13 सीटें जीती थीं। बीजेपी समर्थित महायुति गठबंधन को 12 सीटें मिली थीं। महाराष्ट्र कैबिनेट ने चार सरकारी निदेशकों को वोटिंग अधिकारों के साथ नामित करने का प्रस्ताव मंजूर किया है। कांग्रेस का आरोप है कि इससे चुनावी नतीजा बदल सकता है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'गोकुल में दूध उत्पादकों ने बीजेपी को हरा दिया। इसलिए उन्होंने चुनाव के बाद नियम बदल दिए। चार निदेशक जोड़कर संख्या 12 से 16 कर दी और बहुमत छीन लिया।' उन्होंने इसे 'दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी' और 'जनादेश में मिलावट' बताया। राहुल ने कहा कि सत्ता बचाने के लिए बीजेपी हर जगह किसी भी हद तक जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, 'जो लोग दूध उत्पादकों के वोट चुराते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि किसान भूलते नहीं हैं।'



खौफनाक मर्डर: पहले सिर काटा फिर तीन किमी दूर कब्रिस्तान में फेंकी लाश

अहमदाबाद। एजेंसी

गुजरात से एक ऐसा खौफनाक मामला सामने आया है, जिसने इंसानियत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूरत में ओडिशा के एक व्यक्ति ने अपने सहकर्मी की हत्या कर दी। आरोपी ने सिर काट दिया और धड़ को तीन किलोमीटर दूर कब्रिस्तान में फेंका। आरोपी की पहचान सचित कुमार नरेंद्र बाल के रूप में हुई है। वह और पीड़ित पिछले छह महीने से एक ही पावरलूम कंपनी में काम कर रहे थे। यह घटना 3 नवंबर को सामने आई, जब पुलिस कंट्रोल रूम को पता चला कि गोटलावाड़ी चौराहे के पास एक कब्रिस्तान में एक व्यक्ति का बिना सिर वाला और बिना कपड़ों वाला शव मिला है।



30,000 रुपये के उधार के लिए कर दी हत्या

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित ने सचित से 30,000 रुपये उधार लिए थे और वह पैसे वापस नहीं कर रहा था। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। पुलिस ने सचित को हिरासत में ले लिया है और उसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस ने पटरियों के पास से कटा हुआ सिर बरामद किया।

लद्दाख प्रशासन के नोटिस पर भड़के वांगचुक, बोले- स्कूल बंद कर शराब के बार खोलो

लेह (लद्दाख)। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख प्रशासन द्वारा 'हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव लर्निंग' (एचआईएएल) को जारी नोटिस की आलोचना की है। इस नोटिस में फ्यांग स्थित 'डेजर्ट फ्लावर स्कूल' में सभी गतिविधियां रोकने को कहा गया है। प्रशासन ने यह निर्देश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के फैसले तक लागू रहने को कहा है। वांगचुक ने बुधवार को 'एक्स' (ट्विटर) पर इस नोटिस को 'शाही फरमान' बताया। उन्होंने प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाते हुए लिखा, 'स्कूल बंद करो और शराब के बार खोलो।' उन्होंने मीडिया संस्थानों से भी अपील की कि वे उपराज्यपाल प्रशासन की प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ उनकी प्रतिक्रिया को भी जगह दें। वांगचुक ने 'ग्लोबल प्रेस फ्रीडम इंडेक्स' में भारत की स्थिति का भी जिक्र किया।

रिजिजू की राहुल को नसीहत, कहा-

मोदी से नफरत छोड़ें : भारतीय जनता पार्टी दुश्मन नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी को सात सुझाव दिए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर राहुल इन बातों पर अमल करें तो कांग्रेस संसद में ज्यादा सीटें जीत सकती है। रिजिजू ने कहा- राहुल को बीजेपी को दुश्मन नहीं, राजनीतिक विरोधी समझना चाहिए। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत छोड़कर संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने संसद का एक पुराना वीडियो भी शेयर किया। इसमें वे भाषण दे रहे हैं और विपक्षी सांसद सदन से उठकर जाते दिख रहे हैं। रिजिजू ने वीडियो के साथ लिखा- जो लोग लोकतंत्र और चर्चा में विश्वास नहीं करते, वे ही आज बहस की बात कर रहे हैं। रिजिजू का यह बयान राहुल गांधी की प्रधानमंत्री मोदी को आमने-सामने बहस की चुनौती के बाद आया है। राहुल ने पिछले तीन दिनों में चार बार प्रधानमंत्री को बहस के लिए चुनौती दी है।



मेट्रो एंकर अहम फैसला: सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्ति की स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी

आरोपी को हिरासत में लेते ही लागू होगी 24 घंटे की समय सीमा

नई दिल्ली। एजेंसी

गिरफ्तारी की 24 घंटे की समय-सीमा पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश देते हुए कहा कि किसी भी शख्स की गिरफ्तारी का समय उसके हिरासत में लेते ही शुरू हो जाएगा। 24 घंटे में जज के सामने पेशी का वक्त उसकी आधिकारिक गिरफ्तारी से नहीं माना जाएगा, इसके लिए उसे हिरासत में लेने का वक्त ही मान्य होगा। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि 24 घंटे की वह अवधि, जिसके भीतर किसी आरोपी को न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना होता है, हिरासत में लिए जाने के समय से शुरू होती है, न कि केवल औपचारिक गिरफ्तारी के समय से।

संवैधानिक सुरक्षा के लिहाज से गिरफ्तारी और हिरासत दोनों एक ही बात

अदालत ने माना कि इस संवैधानिक सुरक्षा के लिहाज से गिरफ्तारी और हिरासत दोनों एक ही बात है। कोर्ट ने कहा कि दोनों ही हालात में व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित हो जाती है। अदालत ने कहा कि हिरासत और गिरफ्तारी के बीच कोई फर्क करने की कोशिश करना संवैधानिक रूप से मान्य नहीं है।



मौलिक अधिकारों को मिले प्राथमिकता

एक दूसरी अहम टिप्पणी में कोर्ट ने कहा कि मुकदमे में देरी और जमानत देने के मामलों में आरोपी के मौलिक अधिकारों को विशेष कानूनों के प्रावधानों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।' कोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम' (क्क), 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्स्टेंस' (ह्ठक्क) अधिनियम और 'मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम' (क्कक्र) जैसे कानूनों के तहत जमानत पर आए विरोधाभासी फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि आरोपी के संवैधानिक अधिकारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

गिरफ्तारी और हिरासत में सीमित हो जाती है स्वतंत्रता

कोर्ट ने साफ किया कि विशेष कानूनों का इस्तेमाल संविधान की व्याख्या करने के आधार के तौर पर नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, ऐसे कानूनों की व्याख्या संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इस संवैधानिक सुरक्षा के लिहाज से गिरफ्तारी और हिरासत असल में एक ही हैं, क्योंकि दोनों ही स्थितियों में व्यक्ति की स्वतंत्रता एक हद तक सीमित हो जाती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524